RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:326 ता. 19 जून 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

भयंकर हीट वेव से क्या देश में गहरा सकता है बिजली संकट

पांच राज्यों में अचानक बढ़ी बिजली की मांग

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बिजली कटने की घटना ने लोगों के साथ-साथ मोदी सरकार की भी नींद उड़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक आईजीआई एयरपोर्ट की घटना के बाद रेलवे और दिल्ली मेट्रो पर विशेष नजर है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार भयंकर हीट वेव की वजह से देश में ट्रिपिंग की घटना बढ़ गई है। हालांकि, बिजली के उत्पादन में कहीं कोई कमी नहीं है। लेकिन, संसाधनों और कर्मचारियों की कमी से यूपी, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में बिजली संकट गहरा सकता है। क्योंकि, इन राज्यों में बिजली की खपत अचानक ही बढ़ गई है। आईजीआई एयरपोर्ट पर बिजली गुल होने की घटना के बाद लोगों के मन में डर पैदा कर दिया है कि क्या देश में बिजली की स्थिति ठीक नहीं है? क्या भारत की स्थिति भी पाकिस्तान जैसे होने वाली है? बता दें कि बिजली के क्षेत्र में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। हां, देश के अधिकांश हिस्से में भयंकर लू ने बिजली की खपत को कई गुना ज्यादा बढ़ा दिया है। ऊर्जा मंत्रालय ने साल वर्ष 2024-25 के लिए बिजली उत्पादन का लक्ष्य 1900 बिलियन यूनिट (बीयू) निर्धारित किया है। यानी पिछले वर्ष के 1738.828 बीयू के वास्तविक उत्पादन की तुलना में करीब 9.3 प्रतिशत अधिक। इसके बावजूद स्थिति विकराल होता जा रहा है। साल 2023-24 के दौरान देश में बिजली का उत्पादन 1738.828 बीयू था। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, यूपी, बिहार, राजस्थान, झारखंड, असम और ओड़िशा जैसे राज्यों में बिजली की खपत बढ़ गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में कुल सालाना बिजली खपत लगभग 1400 बिलियन किलोवाट घंटा को पार कर गया है। देश में पहली बार ऐसा हुआ जब रात की तुलना में दिन में बिजली की खपत ज्यादा हो गई है। बिजली ज्यादा खपत करने वाले राज्यों में महाराष्ट्र पहले स्थान पर बना हुआ है। गुजरात दूसरे नंबर पर है और इसके बाद यूपी, तमिलनाडु और ओडिशा जैसे राज्य बिजली खपत करने वाले राज्यों में सबसे आगे हैं। जबकि, बिहार जैसे राज्यों में भी सालाना बिजली खपत में 50 से 100 बीयू का इजाफा हुआ है। बीते 10 सालों में बिहार में बिजली की खपत तकरीबन 400 प्रतिशत तेजी आई है।

नीतिश की सुशासन बाबू की छवि को डैमेंज करने में जुटे तेजस्वी

पटना । लोकसभा चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। नीतीश कुमार के सुशासन की छवि से पार पाने के लिए राजद के द्वारा कानून-व्यवस्था को मुद्दा बना रहा है। राजद नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पार्टी पर लगे जंगलराज के दाग मिटाने की तैयार कर ली है। वे अब नीतीश के सुशासन बाबू की इमेज पर ही हमला कर रहे हैं। तेजस्वी इन दिनों सोशल मीडिया अकाउंट पर लगातार कानून-व्यवस्था को लेकर सत्ता पक्ष पर हमलावर हैं। लोकसभा चुनाव में तेजस्वी ने 250 से अधिक सभाएं कीं, लेकिन महागठबंधन के तहत वह चार सीटें ही जीत सकी, जबकि नीतीश की पार्टी जदयू 12 सीटें जीतकर किंगमेकर साबित हुई। स्थिति ऐसी बन गई कि भाजपा ने अभी से 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए नीतीश कुमार के नेतृत्व को स्वीकार कर लिया। दूसरी ओर, तेजस्वी कमजोर साबित हुए। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान एनडीए के नेताओं ने लालू यादव के शासनकाल में फैले जंगल राज की याद दिलाई और उसका लाभ भी एनडीए को मिला। माना जा रहा हैं कि राजद के नेताओं के ऊपर लगे भ्रष्टाचार और जंगलराज के आरोपों का नुकसान महागठबंधन को हुआ है। बिहार की राजनीति से जुड़े पत्रकार कहते हैं कि राजद पर लगे आरोपों का लाभ एनडीए को हुआ है। इसके बाद राजद के नेताओं ने विधानसभा चुनाव में इससे पार पाने की योजना पर अभी से काम शुरू कर दिया है। राजद यह साबित करने की कोशिश कर रहा है कि आज के दौर में कानून-व्यवस्था की स्थिति ज्यादा खराब है।

पंजाब में अकाली दल की खामियों से जीते दो खालिस्तान समर्थक : रंधावा

नई दिल्ली । पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री और गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने तल्ख टिप्पणी कर कहा है कि पंजाब आम आदमी पार्टी (आप) की जागीर नहीं है। उन्होंने खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह खालसा के चुनाव जीतने के लिए अकाली दल को जिम्मेदार माना है। कांग्रेस सांसद रंधावा ने कहा कि आम चुनावों में अकाली दल की शिथिलता और नाकामी से पैदा हुई शून्यता के कारण ही खालिस्तान समर्थक और आतंकी सोच के लोगों की जीत हो सकी है। इंटरव्यू में कांग्रेस नेता रंधावा ने कहा कि जिस तरह गांधी परिवार के बिना कांग्रेस एकजुट नहीं रह सकती, ठीक उसी तरह बादल परिवार के बिना अकाली दल की एकजुटता असंभव है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में राज्य में कांग्रेस और बेहतर कर 13 में से 11 सीटें जीत सकती थीं लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास की कमी के कारण पार्टी सात सीट ही जीत सकी। रंधावा ने कांग्रेस के वोट प्रतिशत में आई गिरावट पर भी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि 2019 में पार्टी को 40.12 फीसदी वोट मिले थे जो इस बार गिरकर 26.3 फीसदी रह गया।

सस्पेंस और कयासों पर विराम......बिरला का लोकसभा अध्यक्ष बनना तय

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की भी चर्चा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

18वीं लोकसभा में अध्यक्ष के चुनाव को लेकर चल रहे सस्पेंस और कयासों पर विराम लगाता दिख रहा है। मोदी सरकार से जुड़े सूत्रों के अनुसार ओम बिरला का फिर से लोकसभा अध्यक्ष बनना लगभग तय हो गया है। वहीं एनडीए के सहयोगी दलों टीडीपी और जेडीयू में से किसी एक के नेता को लोकसभा उपाध्यक्ष बनाया जाएगा। 24 जून से शुरू होने वाले नई लोकसभा के पहले सत्र में 26 जून को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा के बिरला के निवास पर पहुंचकर देर रात्रि तक बैठक की। वहीं केंद्रीय संसदीय मंत्री किरण रिजूजू ने भी ओम बिरला से मुलाकात की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जी 7 की बैठक से लौटने के बाद से ही नए लोकसभा अध्यक्ष को लेकर हलचल तेज हो गई है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को एनडीए के सहयोगी दलों के साथ मामले में आम सहमति बनाने की जिम्मेदारी दी है।

इधर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दलों ने परपंरा का हवाला देकर उपाध्यक्ष का पद प्रतिपक्ष को देने की मांग रखी है और ऐसा नहीं होने पर अध्यक्ष पद के लिए भी स्वयं का उम्मीदवार उतार कर चुनाव करवाने की बात कही है। मीडिया ग्रुप आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबती पुरंदेश्वरी का नाम भी लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चला रहे है। वे दक्षिण के दिग्गज नेता एन टी रामाराव की पुत्री और टीडीपी नेता एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू की साली है, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों भाजपा से ही बनाना तर्क संगत नहीं लग रहा है। उधर कुछ मीडिया खबरों में बिरला को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की खबरे भी आ रही है। वर्तमान अध्यक्ष जे पी नड्डा का कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है लेकिन किसी संवैधानिक पद पर रहे नेता को पुनः अध्यक्ष बनाने अथवा कैबिनेट मंत्री बनाने के उदाहरण मिलते है लेकिन पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने का उदाहरण नहीं मिलता। अब तक कांग्रेस के नीलम संजीव रेड्डी और बलराम जाखड़ के दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनाने का इतिहास अवश्य रहा है।

वैसे बिरला विगत बीस वर्षों में पहले लोकसभा अध्यक्ष है जोकि पुनः चुनाव जीत कर आए है, अन्यथा कई स्पीकर रिपीट नहीं हुआ है। इसके साथ ही बिरला ने एक मिथक को तोड़ दिया है तथा दो दशक के बाद फिर चुनाव जीतने वाले लोकसभा अध्यक्ष बन गए हैं। बिरला ने इस बार जीत की हैट्रिक लगाई है। लोकसभा के लिए फिर से निर्वाचित होने वाले अंतिम लोकसभा अध्यक्ष पी.ए. संगमा थे, जो 1996 से 1998 तक 11वीं लोकसभा के पीठासीन अधिकारी थे। तब कांग्रेस के सदस्य रहे संगमा 1998 के लोकसभा चुनाव में मेघालय के तुरा से फिर से निर्वाचित हुए थे।

इसके बाद जीएमसी बालयोगी अक्टूबर 1999 में जब देश में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनी। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता बालयोगी को लोकसभा अध्यक्ष बनाया गया। 3 मार्च, 2002 को एक हेलिकॉप्टर हादसे में उनका निधन हो गया। बालयोगी के निधन के बाद वाजपेयी की सरकार में शिवसेना नेता मनोहर जोशी को स्पीकर चुना गया, लेकिन जब 2004 में लोकसभा सभा के चुनाव हुआ, जोशी मुंबई नॉर्थ सेंट्रल से अपना चुनाव हार गए। इसके कारण भी वे संसद नहीं पहुंच सके।

बारुद के ढेर पर दुनिया-

9 देशों पर साढ़े 9 हजार से ज्यादा परमाणु हथियार,सबसे ज्यादा रुस के पास

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दुनिया में आए दिन विश्वयुद्ध की आहट सुनाई देती है। अभी इजरायल-हमास,रुस-यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है तो चीन और ताइवान के बीच तनाव इतना ज्यादा है कि कब जंग छिड़ जाए कोई नहीं जानता। ऐसे ही टकराव के बीच परमाणु हथियारों की भी होड़ ने दुनिया को बारुद के ढेर पर बैठा दिया है। दुनिया के मात्र 9 प्रमुख देशों के पास साढ़े 9 हजार से ज्यादा परमाणु हथियार है। जिसमें रुस सबसे आगे है। रूस-4380,अमेरिका-3708,चीन-500,फ्रांस-290,यूके-225,भारत-172,पाकिस्तान-170,इजरायल-90,नॉर्थ कोरिया-50 परमाणु हथियारों से लैस है।

कहा जाता है जिसके पास सबसे ज्यादा परमाणु बम, वही है असली सिकंदर। तो आज हम यह जानने की कोशिश करेंगे कि किस देश के पास कितना हथियारों का जखीरा है। न्यूक्लियर हथियारों के मामले में भारत, चीन, पाकिस्तान और अमेरिका कहां हैं। एक रिपोर्ट की मानें तो परमाणु हथियारों के मामले में भारत पड़ोसी देश पाकिस्तान से आगे है। मगर चीन से काफी पीछे। परमाणु हथियारों के मामले में चीन दुनिया में सबसे तेज है। जी हां, चीन दुनिया भर के किसी भी अन्य देश की तुलना में अपने परमाणु शस्त्रागार को तेजी से बढ़ा रहा है। अब ड्रैगन के पास भारत के मुकाबले तीन गुना अधिक परमाणु हथियार हैं। इतना ही नहीं, ड्रैगन ने बैलिस्टिक मिसाइलों पर कुछ हाई ऑपरेशनल अलर्ट पर भी तैनात किए हैं। एसआईपीआरआई यानी स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट ने एक सोमवार को एक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के मुताबिक, परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में पाकिस्तान भारत को कड़ी टक्कर देता दिख रहा है। उसने भारत के साथ अपनी लगभग बराबरी बनाए हुए है। वहीं, यूक्रेन में बमबारी करने वाले रूस और सुपरपावर

अमेरिका अन्य देशों से काफी आगे हैं। रूस और अमेरिका के पास दुनिया के कुल परमाणु हथियारों का 90 प्रतिशत हिस्सा है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में दावा किया गया कि चीन के पास अब 500 परमाणु हथियार हैं। पिछले साल जनवरी 2023 तक चीन के पास 410 परमाणु हथियार थे। भारत के पास अभी 172 परमाणु हथियार हैं। भारत के पास 2023 में 164 हथियार थे। वहीं, पाकिस्तान के पास अभी 170 परमाणु हथियार हैं। 2023 में भी उसके पास इतने ही थे। पिछले एक साल में उसने अपने शास्त्रागार को आगे नहीं बढ़ाया है। हालांकि, भारत बीते कुछ सालों से लगातार अपने शस्त्रागार को मॉडर्न बनाने में लगा है। यही वजह है कि लगातार मिसाइल लॉन्च किए जा रहे हैं। भारत लगातार लंबी दूरी की मिसाइलों का टेस्ट कर रहा है।

दुनिया में तीसरे नंबर पर पहुंचा भारत का एनबीएफसी सेक्टर

हम से आगे यूएस और यूके

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत का नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल (एनबीएफसी) सेक्टर अब दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच चुका है। फिलहाल यूएस और यूके का एनबीएफसी क्षेत्र क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर है।

एसबीआई की रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। एनबीएफसी केवल लोगों को लोन देने का कार्य करती है। इनके पास बैंकिंग लाइसेंस नहीं होता है। इस कारण ये जनता से जमा स्वीकार नहीं कर सकते। किसी भी देश के आर्थिक विकास में इनकी अहम भूमिका होती है। बता दें, वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है, जो कि दुनिया में सबसे तेज है। वित्तीय सेक्टर के विकास पर एसबीआई की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक दशक में भारतीय बैंकिंग सिस्टम में लचीलापन दिख रहा है। इस दौरान बैंकिंग सिस्टम को कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हालातों का सामना करना पड़ा। एसेट्स क्वालिटी में सुधार और मजबूत अर्थव्यवस्था के कारण भारत का बैंकिंग सिस्टम अच्छी स्थिति में है।

रिपोर्ट में बताया गया कि महामारी के दौरान भी सरकार ने पूंजी और लिक्विडिटी बफर के जरिए वित्तीय सेक्टर की स्थिरता को बनाए रखा। रिपोर्ट में बताया गया कि डिजिटल बैंकिंग की ओर जोर दिए जाने के कारण सेक्टर की वृद्धि दर में इजाफा हुआ है। डिजिटल प्लेटफॉर्म आने के साथ वित्तीय सेवाओं को पहुंचाने में मदद मिली है।

नीट विवाद: परीक्षा में 0.01 फीसदी की भी खामी हुई तो सख्ती से निपटेंगे

-सुप्रीम कोर्ट नाराज, एनटीए और केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली।(एजेंसी)

नीट यूजी परीक्षा 2024 को लेकर सड़क से सुप्रीम कोर्ट तक बवाल मचा हुआ है। नीट परीक्षा को लेकर दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई इस विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई और अपनी सख्त टिप्पणी में कहा कि अगर 0.01 फीसदी की भी खामी पाई गई तो हम उससे सख्ती से निपटेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को इस मामले में नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। नीट परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर शिक्षाविद नितिन विजय समेत अन्य याचिका पर मंगलवर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर इस पूरे मामले पर जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस एसवीएन भट्टी की युगलपीठ ने कहा कि अगर 0.01 फीसदी की भी खामी पाई गई तो हम उससे सख्ती से निपटेंगे। हम परीक्षा की तैयारी को लेकर छात्रों की मेहनत को समझते हैं। कोर्ट ने एनटीए से कहा कि वह छात्रों की शिकायत को नजरअंदाज न करें। परीक्षा में अगर कोई गलती हुई है तो उसे समय रहते सुधारा जाए। इसके बाद कोर्ट ने दोनों याचिकाओं को पिछली याचिकाओं के साथ जोड़ दिया। याचिकाओं में नीट परीक्षा रद्द करने की मांग की

गई है। वहीं, याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा कि 20 हज़ार छात्रों द्वारा नीट परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर चलाए जा रहे डिजिटल सत्याग्रह के तहत अपनी शिकायत दर्ज कराई है। याचिका में परीक्षा में गड़बड़ी का हवाला देते हुए परीक्षा रद्द कर नए सिरे से कराने की मांग की गई। अब इस मामले की सुनवाई 8 जुलाई को होगी।

डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भर बन रहा भारत एचएएल को मिला नया ऑर्डर

नई दिल्ली : (एजेंसी)

भारत की डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को रक्षा मंत्रालय की ओर से 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर का ऑर्डर मिला है। नया ऑर्डर मिलने के साथ ही एचएएल के शेयर में 5 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखी जा रही है और दोपहर 12 बजे यह 5,470 रुपये पर था। एचएएल द्वारा रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा गया कि कंपनी को रक्षा मंत्रालय की ओर से 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरपीएफ) मिला है। 156 में से 90 हेलीकॉप्टर भारतीय सेना और 66 हेलीकॉप्टर भारतीय वायु सेना के लिए हैं। बता दें, आरपीएफ एक दस्तावेज होता है जिसमें किसी भी सरकार या कंपनी द्वारा अपनी आवश्यकताओं को बताया जाता है। इसमें सामान खरीदने के प्रोसेस, टाइमलाइन, नियम और शर्तों की जानकारी होती है। माना जा रहा है कि ये टेंडर 45,000 से 50,000 करोड़ रुपये का हो सकता है। 156 लाइट कॉम्बैट

हेलीकॉप्टर खरीदने का प्रस्ताव एचएएल को दिया जाना, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भर बनने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नई सरकार बनने के बाद कार्यभार संभालते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा उद्देश्य देश की सुरक्षा को मजबूत करना है। साथ ही रक्षा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर का नया ऑर्डर मिलने से पहले एचएएल के पास 38,561 करोड़ रुपये की ऑर्डर बुक थी। हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच एडवांस जीई इंजन बनाने को लेकर समझौता हुआ है। ये इंजन एचएएल की ओर से बनाए जाएंगे। भारत में डिफेंस इंडस्ट्री तेजी से विकसित हो रही है। एक अन्य सरकारी डिफेंस कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) की ऑर्डर बुक 75,934 करोड़ रुपये की है। एलएंडटी, जो कि डिफेंस क्षेत्र में भी कारोबार करती है, उसकी ऑर्डर बुक 94,000 करोड़ रुपये की है।

वायनाड जनता के साथ धोखा, वंशवाद की राजनीति कर रही कांग्रेस

-राहुल गांधी छोड़ेंगे सीट, प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने पर बीजेपी हमलावर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के राहुल गांधी रायबरेली और वायनाड से चुनाव लड़े और हासिल कर दोनों ही जगह से सांसद चुने गए हैं। नियम के अनुसार उन्हें एक जगह से इस्तीफा देना पड़ेगा। अब कांग्रेस वायनाड से प्रियंका गांधी को चुनाव मैदान में उतार रही है। वहीं प्रियंका गांधी के नामांकन ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, बीजेपी ने कांग्रेस पर वंशवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस पर जनता को धोखा देने और अपने इरादों को छिपाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की बेशर्मी है। वायनाड के मतदाताओं पर अपने वंश के एक के बाद एक सदस्यों को थोपना बेशर्मी से इस तथ्य को छिपाने के बाद कि राहुल दूसरे निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। बीजेपी के चंद्रशेखर को जवाब देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पीएम नरेंद्र मोदी के अपने ट्रैक रिकॉर्ड की ओर इशारा किया। खेड़ा ने चुटकी लेते हुए कहा कि क्या नरेंद्र मोदी ने वडोदरा के मतदाताओं से बेशर्मी से यह बात छिपाई कि वे 2014 में वाराणसी से भी चुनाव लड़ेंगे? वे गुजरात के तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी का जिक्र कर रहे थे जिन्होंने 2014 में वडोदरा और वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ा था और दोनों ही सीटें जीती थीं। इसके बाद उन्होंने वडोदरा सीट से इस्तीफा दे दिया और वाराणसी सीट पर अपना बरकरार रखी। सोशल मीडिया पर यह तीखी बहस कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे की उस घोषणा के बाद हुई जिसमें उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में रायबरेली लोकसभा क्षेत्र को बरकरार रखेंगे और केरल में वायनाड सीट खाली करेंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से चुनावी मैदान में उतरेंगी। अगर वे चुनी जाती हैं तो यह प्रियंका गांधी का संसद सदस्य के रूप में पहला कार्यकाल होगा। इसके अलावा, यह पहली बार होगा जब सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा एक साथ संसद में नजर आएंगे। बीजेपी ने वायनाड से प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने के कांग्रेस के फैसले की निंदा की और इसे वंशवादी राजनीति का स्पष्ट उदाहरण बताया। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि इससे साबित होता है कि कांग्रेस एक पार्टी नहीं बल्कि एक पारिवारिक कंपनी है। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी का वायनाड सीट छोड़ने का फैसला यहां मतदाताओं के साथ विश्वासघात है और आरोप लगाया कि यह

गांधी परिवार के अंदर राजनीतिक विरासत को बनाए रखने की एक चाल है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि बेटे और बेटी में से कौन पहले है। पूनावाला ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने रायबरेली सीट नहीं छोड़ने का फैसला किया क्योंकि ऐसा करने से बाद उपचुनाव में बीजेपी की जीत पक्की थी।

815 साल का लंबा इंतजार होगा खत्म, नालंदा विश्वविद्यालय के परिसर का उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नालंदा ।(एजेंसी)

बिहार का नालंदा विश्वविद्यालय, प्राचीन शिक्षा का ऐसा केंद्र जिसको आक्रांताओं ने तबाह तो कर दिया था लेकिन, शिक्षा का यह केंद्र एक बार फिर से जनसेवा के लिए, शिक्षा के विश्वव्यापी प्रसार के लिए तैयार खड़ा है। 815 साल बाद नालंदा एक बार फिर से पूरी दुनिया में शिक्षा की अलख जगाने और इतिहास रचने के लिए उठ खड़ा हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजगीर और प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय का दौरा होने वाला है। इसको लेकर एसपीजी ने दोनों स्थलों पर अपनी कमान संभाल ली है। प्रधानमंत्री के आगमन से पहले यहां की तैयारियों का जायजा लिया गया। इस दौरान नालंदा विश्वविद्यालय परिसर में एसपीजी द्वारा उच्च अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक भी की गई। बैठक में सुरक्षा के हर पहलू पर विचार-विमर्श किया गया और कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए कई आवश्यक निर्देश भी दिए गए। 19 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नालंदा विश्वविद्यालय के नेट जीरो परिसर का शुभारंभ करने वाले हैं, जो 455 एकड़ में 1749 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ है। साथ ही, प्रधानमंत्री प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नावशेष का अवलोकन भी करेंगे और नालंदा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण करेंगे। प्रधानमंत्री के साथ भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अरविंद पनगढ़िया भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान नालंदा विश्वविद्यालय के स्थापना में अहम योगदान देने वाले कुल 17 देशों के राजदूत भी शामिल होंगे। नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे कई देशों के छात्र-छात्राएं भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

कुलपति प्रोफेसर अभय कुमार सिंह ने बताया कि भारत को विश्व गुरु बनाने का जो हमारा लक्ष्य है, उसके प्रति यह एक और महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना से नालंदा के गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया है। इस परिसर में विगत सत्र में 26 देशों के बच्चे अध्ययन कर रहे थे, जिनमें उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण एशिया, और मध्य एशिया के देशों के छात्र शामिल हैं। यह पवित्र भूमि है, शांति और ज्ञान की भूमि है।

दिल्ली में भीषण गर्मी से लोग परेशान, कल से भारी बारिश की संभावना

(एजेंसी) नई दिल्ली।

दिल्ली में कई स्थानों पर लू चलेगी और राजधानी क्षेत्र में अधिकांश स्थानों पर भीषण लू चलेगी। लोगों की दिन के साथ साथ रातें गर्म हवाओं के चलने से बेचैनी में गुजरेंगी। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कहा कि कहा कि लू की तीव्रता में कमी आएगी। हिमाचल प्रदेश और बिहार के अलग-अलग हिस्सों में हीटवेव से लेकर गंभीर हीटवेव की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में शुक्रवार तक और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बुधवार तक भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसने गुरुवार और शुक्रवार को ओडिशा में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश की भी भविष्यवाणी की है। दिल्लीवासी भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। तापमान अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के कई मौसम केंद्रों ने मौसमी औसत से काफी ऊपर तापमान दर्ज किया। शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग में अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो जून के मध्य के सामान्य तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस से 6.4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

पालम में अधिकतम तापमान 46.0 डिग्री सेल्सियस के साथ रहा, और रिज क्षेत्र में तापमान लगातार दूसरे दिन 46.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो सामान्य से करीब 8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। शहर के लोधी रोड और आयानगर में तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस और 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

लू ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है और इससे बीमारियां पैदा हुई है, स्थिति में सुधार होने से पहले अगले दो दिनों तक यह स्थिति जारी रहने की उम्मीद है। 18 जून से 20 जून तक उत्तर पश्चिम भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो जाएगा। इससे राहत मिलने की उम्मीद है।

इससे दिल्ली में छिटपुट बारिश होने का अनुमान है, जिससे संभावित रूप से उमस भरी गर्मी से राहत मिल सकती है।

देश भर के दर्जनभर उम्मीदवारों ने किया चुनाव आयोग का रुख, EVM-VVPAT के मेमोरी वेरिफिकेशन की लगाई गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में लोकसभा चुनाव हाल ही में संपन्न हुए हैं। इस चुनाव में कई दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं अब चुनाव में हार का सामना करने वाले करीब एक दर्जन उम्मीदवारों ने चुनाव आयोग को आवेदन देकर ईवीएम में दर्ज वोटिंग के आंकड़े और वीवीपैट की पर्चियों के मिलान यानी मेमोरी वेरिफिकेशन कराने की गुहार लगाई गई है। अधिकतर अर्जियों में एक से तीन बूथों की मशीनों के मिलान की अर्जी हैं। सिर्फ ओडिशा के झाड़सुगुड़ा विधानसभा क्षेत्र से हारीं बीजेडी उम्मीदवार दीपाली दास ने सबसे ज्यादा 13 मशीनों की मेमोरी वेरिफाई करने की अर्जी दी है। जिन लोगों ने ऐसे आवेदन दिए हैं, उनमें महाराष्ट्र के अहमदनगर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार सुजय राधाकृष्ण विखेपाटिल भी शामिल हैं। इन्होंने विधानसभा क्षेत्रवार ईवीएम यूनिट की जांच की मांग की है। शरद पवार की एनसीपी के नीलेश ज्ञानदेव लंके ने उन्हें 28929 मतों से हराया है। इनके अलावा ओडिशा में झारसुगुड़ा से बीजू जनता दल की उम्मीदवार दीपाली दास ने भी ऐसी ही मांग की है। वह भाजपा के टंकधर त्रिपाठी से लोकसभा चुनाव 1265 वोटों से हार गई थीं। दास इस सीट से कई बार सांसद रह चुकी हैं। उन्होंने करीब एक दर्जन ईवीएम-वीवीपैट मशीनों की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि कुल 19 राउंड की गिनती में 17वें राउंड तक वह आगे चल रही थीं लेकिन अचानक आखिरी दो राउंड की गिनती में वह पिछड़ गईं। यह उन्हें रास नहीं आ रहा है। ईटी से बातचीत में दास ने यह पुष्टि की है कि उन्होंने 13 मशीनों के सत्यापन की मांग चुनाव आयोग से की है। छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड जहां भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है, से एक भी ऐसे आवेदन आयोग को नहीं मिले हैं। बता दें कि लोकसभा चुनावों के दौरान 26 अप्रैल के अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने सभी ईवीएम-वीवीपैट पर्चियों के मिलान की अर्जी खारिज करते हुए कहा था कि मतगणना के सात दिनों के अंदर उम्मीदवार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के अधिकतम 5 फीसदी ईवीएम मशीनों की जांच का आवेदन चुनाव आयोग को दे सकते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा था कि ऐसे आवेदन केवल उपविजेता और दूसरे नंबर के उप विजेता द्वारा ही दायर किया जा सकता है।

भीषण गर्मी के चलते 24 घंटे में चली गई 170 की जान

लखनऊ। (एजेंसी)

वैसे लगभग पूरे उत्तर भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप है,लेकिन उत्तर प्रदेश में कहर बरस रहा है। यहां मात्र 24 घंटों में 170 लोगों की जान गई। पूर्वांचल के चार जिलों में 50 लोगों की जान गई, जिसमें अकेले वाराणसी में ही 33 मौतें शामिल हैं। इसके अलावा गाजीपुर, मिर्जापुर और चंदौली जिले में लू और हीट स्ट्रोक की वजह से 17 लोगों की जान चली गई। बुंदेलखंड और कानपुर मंडल में तो स्थिति और भी भयावह है। यहां 100 लोगों की जान चली गई।

सबसे ज्यादा 26 मौतें कानपुर में, जबकि हमीरपुर में 19 चित्रकूट में 14, फतेहपुर में 13, महोबा में 12, बांदा और औरैया में छह-छह और जालौन में तीन व फर्रुखाबाद में एक व्यक्ति की जान चली गई। वहीं, गर्मी और लू के चलते प्रयागराज में 8, कौशांबी में 5, प्रतापगढ़ में 2 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल भीषण गर्मी से राहत मिलती नहीं दिख रही है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले

दो दिनों में वाराणसी के रास्ते मॉनसून उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। जिसके बाद 4-5 दिन में इसे पूरे प्रदेश में एक्टिव होने के आसार हैं। बताया जा रहा है कि 18-20 जून तक मॉनसून की यूपी में एंट्री हो सकती है। इस दौरान रिमझिम फुहारों के साथ ही गरज-चमक के साथ बारिश देखने को मिल सकती है।

मध्य प्रदेश : अब शिवराज के विधानसभा क्षेत्र बुधनी पर सबकी नजर

भोपाल ।(एजेंसी)

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बुधनी विधानसभा सीट से इस्तीफा देने के बाद अब हर किसी की नजर संभावित उम्मीदवार और आगामी उपचुनाव पर है। राज्य में अभी हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान विदिशा संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। वह बुधनी से भी वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में विधायक के तौर पर निर्वाचित हुए थे। कोई भी व्यक्ति एक सदन का ही सदस्य रह सकता है। लिहाजा उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे के बाद उपचुनाव होना तय हो गया है। सवाल यही है कि

उपचुनाव में भाजपा यहां से किसे अपना उम्मीदवार बनाती है। कई नेता इस सीट पर अपनी दावेदारी ठोक रहे हैं। बुधनी विधानसभा क्षेत्र विदिशा संसदीय क्षेत्र के तहत आता है और दोनों ही भाजपा के गढ़ माने जाते हैं। इससे पहले राज्य के छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे कमलेश शाह ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। अब वहां भी 10 जुलाई को मतदान होना है । भाजपा ने कमलेश शाह को एक बार फिर उम्मीदवार बनाया तो वहीं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी भी अपना उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। कांग्रेस ने अभी तक अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। भाजपा ने अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के प्रचार के लिए 35 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। कांग्रेस ने अमरवाड़ा के लिए दो प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं। इसके अलावा बुधनी के लिए भी दो प्रभारी नियुक्त किये जा चुके हैं। कुल मिलाकर लोकसभा चुनाव के बाद राज्य में उपचुनावों का दौर शुरू हो रहा है। अमरवाड़ा में चुनाव कार्यक्रम घोषित हो चुका है तो वहीं आने वाले दिनों में बुधनी विधानसभा क्षेत्र का भी चुनावी कार्यक्रम घोषित हो सकता है। इसके अलावा विजयपुर और बीना से कांग्रेस विधायकों ने भाजपा की सदस्यता ले ली है।

हमारी सकारात्मक राजनीति का परिणाम हमेशा ही सकारात्मक मिलेगा : तेजस्वी यादव

पटना ।(एजेंसी)

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को जहां रिक्त सरकारी पदों को भरने में मिशन मोड में काम करने का निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों को दिया है, वहीं विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को नौकरियों को लेकर पुरानी महागठबंधन की सरकार को 'क्रेडिट' देने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि हमारी सकारात्मक राजनीति का परिणाम हमेशा ही सकारात्मक मिलेगा। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने **17** महीनों के अल्प कार्यकाल में **5** लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी। इसी दौरान तीन लाख सरकारी नौकरियां प्रक्रियाधीन करवाई जो चुनाव आचार संहिता के कारण कुछ महीनों से रुकी थी। महागठबंधन

की सरकार जाने से पहले पूर्व निर्धारित तीसरे चरण में एक लाख शिक्षकों की भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने की वजह से वह रद्द हो गयी थी। उन्होंने आगे सरकार से कहा, अब लोकसभा चुनाव पूर्ण हो चुके हैं। पहले से प्रक्रियाधीन तीन लाख नौकरियों के अलावा सरकार हमारी सरकार के निर्णय अनुसार सभी विभागों की बाकी रिक्तियों पर यथाशीघ्र बहाली प्रक्रिया शुरू कर नियुक्तियां कराए। उन्होंने दावा करते हुए एक बयान में कहा कि यही एनडीए और मुख्यमंत्री हैं जो कहते थे कि 10 लाख सरकारी नौकरियां देना असंभव है। इतनी नौकरियों का पैसा तेजस्वी कहां से लाएगा? जब हमारे साथ सरकार में आकर बैठे तो हमने साइंटिफिक तरीके से मुख्यमंत्री जी सहित वरीय अधिकारियों (जो इनके कार्यकाल में हमेशा संविदा और आउटसोर्सिंग के पक्षधर रहे) को बताया और समझाया कि कैसे **10** लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा सकती हैं। इससे पहले तक वो यह मानने को ही तैयार नहीं होते थे कि बिहार में लाखों पद रिक्त भी हैं। तेजस्वी ने आगे कहा कि हमारी सकारात्मक राजनीति का परिणाम हमेशा ही सकारात्मक मिलेगा। जिन लाखों युवक-युवतियों को नौकरियां मिली और मिलेंगी, उन पर हमारी इस पॉजिटिव और प्रोग्रेसिव और मुद्दे आधारित राजनीति का जीवन भर प्रभाव रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली एयरपोर्ट पर दुबई जाने वाली फ्लाइट में बम की धमकी, ईमेल से मिला मैसेज; मचा हड़कंप

नई दिल्ली । दिल्ली हवाई अड्डा पर सोमवार सुबह दुबई जाने वाली फ्लाइट में बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। सुबह 9.35 आईजीआई एयरपोर्ट के डायल कार्यालय में एक ईमेल भेजकर दिल्ली से दुबई जाने वाली फ्लाइट में बम होने की धमकी दी गई थी। सूचना के बाद एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी किया गया। सुरक्षा एजेंसी और बम निरोधक दस्ता ने विमान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस मामला दर्ज कर मेल भेजने वाले की पहचान करने में जुट गई है।

रील्स बनाने के चक्कर में ब्रेक लगाना भूली लड़की, खाई में गिरी कार, मौत

मुंबई । सोशल मीडिया पर रील्स बनाने के चक्कर में कई बार जानलेवा हादसे हो जाते हैं। ताजा घटनाक्रम में एक लड़की कार ड्राइव करते समय रील्स बनाने के चक्कर में कार समेत खाई में गिर गई और उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना औरंगाबाद जिले के सुलीभंजन का है। लड़की की पहचान 23 साल की श्वेता दीपक सुरवासे के रूप में हुई है। खाई में गिरने से कुछ सेकेंड पहले का वीडियो भी सामने आया है। श्वेता रील बनाने के चक्कर में ब्रेक लगाना भूल गई और ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा दिया। उल्लेखनीय है कि सुलीभंजन में दत्त मंदिर का क्षेत्र मनोरम है, बरसात के मौसम में यह प्रकृति के साथ और अधिक खुल जाता है।इसलिए भक्त और पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं।

इलेक्ट्रिसिटी केवाईसी अपडेट स्कैम: 392 हैंडसेट को किया गया बंद

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने नागरिकों को इलेक्ट्रिसिटी केवाईसी अपडेट स्कैम से बचाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इसमें उन मोबाइल नंबरों को बंद किया गया है, जिन नंबरों के द्वारा फ्रॉड को अंजाम दिया गया था। दूरसंचार विभाग (डीओटी) की ओर से धोखाधड़ी की गतिविधियों की जांच करने के लिए चक्षु पोर्टल का इस्तेमाल हुआ और शुरुआत में करीब पांच संदिग्ध मोबाइल नंबर को खोजा गया। एआई आधारित इस पोर्टल से खुलासा हुआ कि 392 हैंडसेट से लिंक 31,740 मोबाइल नंबरों के जरिए धोखाधड़ी को अंजाम दिया जा रहा है। इसके बाद डीओटी की ओर से सभी टेलीकॉम कंपनियों को आदेश दिया गया कि इन 392 हैंडसेट के आईएमईआई को ब्लॉक किया जाए। इनका इस्तेमाल साइबर क्राइम और वित्तीय धोखाधड़ी में किया जा रहा है। इसके अलावा टेलीकॉम सेवाएं देने वाली कंपनियों से कहा गया कि इन 31,740 मोबाइल नंबरों का फिर से री-वेरिफिकेशन करे। अगर री-वेरिफिकेशन फेल होता है, तब इन मोबाइल नंबरों को तुरंत बंद करे और साथ ही इनसे जुड़े हैंडसेट को ब्लॉक करें। डीओटी की ओर से कहा गया कि नागरिकों की ओर से एसएमएस, व्हाट्सएप आदि के जरिए इलेक्ट्रिसिटी केवाईसी अपडेट स्कैम की जानकारी दी गई थी। इसमें जालसाज ग्राहकों के मोबाइल फोन पर कंट्रोल हासिल कर लेते थे।

पुणे जिले में सूखे को लेकर शरद पवार ने सीएम शिंदे को लिखा पत्र

स्थिति से निपटने एक बैठक बुलाने की मांग की

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) के प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे को लेटर लिखकर सूखे की स्थिति पर चिंता जताई है। उन्होंने पुणे जिले की पुरंदर, बारामती, इंदापुर और दौंड तहसील में सूखे जैसी स्थिति से निपटने के लिए एक बैठक बुलाने की मांग की है। पवार ने अपने एक्स पर लिखा कि उन्होंने पत्र में लिखा कि महाराष्ट्र सरकार ने सूखे जैसी स्थिति को कम करने के लिए क्षेत्र में सिंचाई योजनाएं शुरू की थीं, लेकिन जब उन्होंने कुछ जगहों का दौरा किया था तो पाया कि योजनाओं के कार्यान्वयन में समस्याएं आ है। एनसीपी (शरद गुट) के नेता ने पत्र में लिखा-हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप अपने नेतृत्व में और दोनों उपमुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में मुंबई में एक बैठक बुलाएं। जल संरक्षण मंत्री और जल आपूर्ति मंत्री भी बैठक में मौजूद रहें। शरद पवार ने पिछले सप्ताह बारामती लोकसभा क्षेत्र के कई सूखाग्रस्त गांवों का दौरा किया और किसानों से बात की थी उनकी पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा कि वह मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को और गांवों का दौरा करेंगे और सूखे की स्थिति का जायजा लेंगे।

पूर्व आंध्र सीएम जगन मोहन रेड्डी ने बैलट पेपर से वोट कराने का किया आह्वान

अमरावती ।(एजेंसी)

जहां एक तरफ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को हैक करने की संभावना पर बहस चल रही है, वहीं आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि बैलट पेपर से वोटिंग कराई जानी चाहिए। उन्होंने चुनाव में मतपत्रों के इस्तेमाल का आह्वान किया। उन्होंने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, जिस तरह न्याय न केवल किया जाना चाहिए बल्कि यह दिखना भी चाहिए, उसी तरह लोकतंत्र न केवल कायम रहना चाहिए बल्कि ऐसा होते दिखना भी चाहिए। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष ने बताया कि लगभग हर विकसित देश बैलट पेपर का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा, दुनिया भर में लगभग हर विकसित लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रियाओं में ईवीएम का नहीं, बल्कि मतपत्रों का उपयोग किया जाता है। हमें भी अपने लोकतंत्र की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए उसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। जगन मोहन रेड्डी की पार्टी को हाल ही में हुए विधानसभा और लोकसभा चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा है। टेक अरबपति एलन मस्क के ईवीएम पर सवाल उठाने की बहस में अब रेड्डी भी शामिल हो गए हैं। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारत में ईवीएम को 'ब्लैक बॉक्स' करार दिया था। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर लिखा, भारत में ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है, और किसी को भी इसकी जांच करने की अनुमति नहीं है। हमारी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंता है। उन्होंने कहा, 'जब संस्थाओं में जवाबदेही की कमी होती है, तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी की ओर बढ़ने लगता है।' राहुल गांधी ने उन समाचार रिपोर्टों का भी हवाला दिया जिनमें कहा गया था कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा में जीतने वाले उम्मीदवार ईवीएम से जुड़े फोन का इस्तेमाल कर रहे थे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भी कहा था कि ईवीएम में हेरफेर किया जा सकता है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, ÷मैंने इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलीकॉम, आईटी,

सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में 60 साल बिताए हैं। मैंने ईवीएम सिस्टम का अध्ययन किया है और मेरा मानना है कि इसमें हेरफेर किया जा सकता है। सबसे अच्छा तरीका पारंपरिक पेपर बैलट है।'

बैठकों पर बैठकें हो रही हैं,पर दिल्ली को अतिरिक्त पानी का मसला नहीं सुलझ रहा

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ऊपरी यमुना नदी बोर्ड की शुक्रवार को हुई बैठक में भी इसका समाधान नहीं निकला। दिल्ली सरकार के मंत्री और अधिकारी हिमाचल व हरियाणा के साथ बात कर पानी की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं जिसमें अभी कोई सफलता नहीं मिली है। मंगलवार को भी चंडीगढ़ में इस संबंध में बैठक होने वाली है। फिलहाल दिल्ली को अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने का मामला सुलझता नहीं दिख रहा है। समाधान के लिए दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। दिल्ली सरकार का आरोप था कि हरियाणा से उसके हिस्से का पानी नहीं दिया जा रहा है। यह भी आरोप था कि हिमाचल प्रदेश समझौते के अनुसार 137 क्यूसेक पानी देने को तैयार है, परंतु हरियाणा सरकार उसमें बाधा डाल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने और हरियाणा को उसे दिल्ली तक पहुंचाने का निर्देश दिया था। हिमाचल ने अदालत में दावा किया था कि वह अतिरिक्त पानी दे रहा है, लेकिन दिल्ली तक नहीं पहुंच रहा है। वहीं, हरियाणा हिमाचल प्रदेश से अतिरिक्त पानी मिलने से इनकार कर दिया है। अदालत ने राज्यों के अलग-अलग दावों की पड़ताल करने की

जिम्मेदारी ऊपरी यमुना नदी बोर्ड को सौंपी थी। बोर्ड ने पिछले सप्ताह अदालत में दी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि हिमाचल प्रदेश ने दिल्ली को अतिरिक्त पानी देने का दावा तो किया है परंतु इसे साबित करने का उसके पास कोई माध्यम नहीं है। न तो जलाशय है जहां से अतिरिक्त पानी छोड़ा गया हो और न इसे प्रमाणित करने का कोई आंकड़ा है।

उ.कोरिया के सैनिकों की हिमाकत.... दक्षिण कोरिया की सीमा में घुसे

सियोल। देश के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अनुसार, उत्तर कोरिया के सैनिकों द्वारा सीमा के पास सैन्य सीमांकन रेखा पार करने के बाद दक्षिण कोरिया की सेना ने चेतावनी के तौर पर गोलियाँ चलाईं। जेसीएस अधिकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 20 से 30 सैनिक असैन्यीकृत क्षेत्र के अंदर तक रेखा का उल्लंघन कर गए और दक्षिण कोरिया द्वारा चेतावनी के तौर पर गोलियाँ चलाने के बाद उत्तर की ओर वापस चले गए। मीडिया रिपोर्ट में बताया कि जेसीएस को नहीं लगता कि उल्लंघन जानबूझकर किया गया था। जेसीएस अधिकारी ने बताया कि असैन्यीकृत क्षेत्र में बारूदी सुरंगों के विस्फोट के कारण काम करते समय उत्तर कोरियाई सैनिकों को भी कई हताहतों का सामना करना पड़ा। जेसीएस अधिकारी ने कहा कि उत्तर कोरिया की सेना अग्रिम पंक्ति में सैनिकों की तैनाती और बारूदी सुरंगें लगाने सहित कई गतिविधियाँ कर रही है। अधिकारी ने कहा, दक्षिण कोरियाई सेना ...सीमावर्ती क्षेत्र में उत्तर कोरियाई सेना की गतिविधियों पर बारीकी से नज़र रख रही है और साथ ही संयुक्त राष्ट्र कमांड के साथ मिलकर काम कर रही है। यह घटना तब हुई है, जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल में पहली बार बुधवार को उत्तर कोरिया का दौरा करने वाले है। सियोल के अधिकारियों ने बताया कि पिछले हफ़्ते, दक्षिण कोरिया की सेना ने लगभग 20 उत्तर कोरियाई सैनिकों के सीमा पार करने के बाद चेतावनी के तौर पर गोलियाँ चलाईं।

जब मूर्ति की आंखों से बहने लगा खून, लोगों ने माना दैवीय चमत्कार

–चर्च के अधिकारी बोले–ऐसे मुद्दे पर सावधानी बरतने की जरूरत

मेक्सिको सिटी। भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक मूर्तियों को लेकर चमत्कार चर्चा का विषय बन जाते हैं। कभी कोई मूर्ति दूध पीती है, तो कभी किसी मूर्ति से खून बहने लगता है। हाल ही में मैक्सिको में वर्जिन मैरी की मूति की आंखों से खून बहने की खबर ने शहर में सनसनी फैला दी है। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार के साथ एक संदेश मान रहे हैं। इस पूरे मामले में चर्च का रवैया भी रोचक है। चर्च के अधिकारी इस मूर्ति के खून के आंसू रोने की घटना की जांच कर रहे हैं। मूर्ति में मैरी को लेडी ऑफ ग्वाडालूप के रूप में दिखाया गया है, जो उनके पांच दर्शनों में से एक है, जो 1500 के दशक में जुआन डिएगो नामक एक किसान और उसके चाचा जुआन बर्नार्डिनो को दिखाई दिया था। मेक्सिको के ओब्रेरा शहर के मोरेलिया में एक परिवार ने कैथोलिक अधिकारियों से संपर्क किया जब दो जून को मूर्ति की आंखों से लाल आंसू बहने लगे। मूर्ति का सटीक स्थान अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है, ऐसा इसमें शामिल परिवार की सुरक्षा के लिए किया गया है। मूर्ति की तस्वीरों में ऐसा लग रहा है कि उसके गालों पर काली धारियां हैं, जैसे कि वह खून के आंसू रो रही हो। इसमें यकीन रखने वालों का मानना है कि यह संकेत एक दिव्य संदेश है, लेकिन अक्सर इसकी व्यापक जांच की जाती है, क्योंकि स्थानीय चर्च अधिकारियों ने अब भक्तों से बहकने से बचने का आग्रह किया है। आर्च डायोसिस ने एक बयान में कहा कि यह कथित चमत्कार जैसे नाजुक मुद्दे पर विचार करते समय सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसकी जांच करने के लिए जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। इसलिए, इस मामले पर कोई निश्चित स्थिति जारी करना जल्दबाजी होगी लेकिन चर्च ने इसे पारिवारिक प्रार्थना का अवसर जरूर माना और इसके लिए लोगों को आमंत्रित भी किया।

पंजाब से अमेरिका पहुंचा गौरव....दिन दहाड़े गोलियों की बौछार कर महिला को मार डाला

न्यू जर्सी। अमेरिका के नेवार्क शहर में तब भय का माहौल बन गया जब एक 19 साल के लड़के ने एक महिला पर गोलियों की बौछार कर दी। भारत के पंजाब का रहने वाले गौरव गिल को अमेरिकी पुलिस ने 29 साल के जसवीर कौर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने 20 वर्षीय गगनदीप कौर को भी हमले में घायल कर दिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी हाल ही में अमेरिका पहुंचा था। वह वाशिंगटन राज्य के केंट शहर में रह रहा था। घटना सुबह न्यू जर्सी के कार्टरेट में एक रेसिडेंशियल बिल्डिंग के बाहर हुई। पुलिस ने हमलावर को कुछ घंटे बाद ही गिरफ्तार कर लिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी गिल और गगनदीप कौर, पहले से एक–दूसरे को जानते थे। दोनों पंजाब के कोचिंग सेंटर में तैयारी करते थे। गिल की गोली मरने वाली महिला जसवीर कौर, गगनदीप की चचेरी बहन है। गगनदीप हाल ही में स्टडी वीजा पर अमेरिका पहुंची थी और जसवीर के घर पर रुकी हुई थी। जसवीर पंजाब की रहने वाली हैं। वह न्यू जर्सी के कार्टरेट में अमेजन कंपनी में काम करती थी और उसका पति कैब ड्राइवर है, जो घटना के समय शहर से कहीं बाहर था। मृतका के पिता केवल सिंह ने बताया, 'हमारी बेटी ने उन्हें अपने साथ रखा और हर तरह से उनकी मदद की। घटना के समय जसवीर सो रही थी। गगनदीप का घर के बाहर आरोपी से झगड़ा हुआ और उन्होंने जसवीर को मदद के लिए बुलाया। जब जसवीर ने बीच–बचाव किया, तब आरोपी ने उनके चेहरे पर सात गोलियां चलाईं, जिससे उनकी मौत हो गई। केवल सिंह ने कहा कि उनकी बेटी और दामाद दोनों ही गगनदीप का बहुत साथ देते थे। गगनदीप और गौरव गिल हाल ही में और लगभग एक ही समय पर अमेरिका पहुंचे थे। उनकी मां ने कहा कि वह गौरव को नहीं जानती हैं और उन्हें नहीं पता कि उनके बीच कोई विवाद था या नहीं।

राफा की सड़कों पर इजराइली सेना और हमास के लड़कों के बीच खूनी संघर्ष जारी

तेलअवीव। इजरायल और हमास की जंग अब तेजी से इंसानों की बलि ले रही है। राफा के ताल अस–सुल्तान क्षेत्र में सड़कों पर लड़ाई जारी है। हमास के लड़ाके इजरायली सेना पर रॉकेट–प्रोपेल्ड ग्रेनेड और मोर्टार से हमला कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले इसतरह एक घातक हमले में आठ इजरायली सैनिक मारे गए थे। वहीं इजरायल की सेना ने दावा किया है कि उसने राफा शहर के लगभग 60 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया है। सात हफ्ते से राफा में चले जमीनी हमले में 550 फिलिस्तीनी लड़ाके मारे गए और इजरायल के 22 सैनिक मारे गए। इजरायल की सेना ने बहुत जरूरी मानवीय राहत पहुंचाने के लिए अपने सैन्य अभियान को रोकने की बात कही है। इसके एक दिन बाद राफा में व्यापारियों और राहत कर्मियों द्वारा सहायता ले जाने वाले ट्रकों का इंतजार करने के दौरान इजरायली गोलीबारी में करीब नौ फिलिस्तीनी मारे गए और कई गंभीर रूप से घायल। गाजा पर इजरायल के हमले पूरे फिलिस्तीनी परिवारों को खत्म कर रहे हैं। कुछ हमलों में एक ही परिवार की चार पीढ़ियां मर गई हैं। वहीं बंधकों की रिहाई नहीं होने से नाराज लोग देश के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। राफा पर इजरायली हमले के बाद गाजा में मानवीय सहायता पहुंचना करीब–करीब बंद हो गई है। रिफ्यूजीज इंटरनेशनल के प्रमुख ने कहा कि इजरायल का राफा पर हमला गाजा की अधिकांश आबादी के लिए विनाशकारी साबित हुआ है, जो मध्य और दक्षिणी इलाकों में फंसी हुई है।

स्टेज से गिरे हॉलीवुड स्टार इयान, अस्पताल में भर्ती

लंदन। दिग्गज हॉलीवुड स्टार इयान मैकेलेन नोएल कावर्ड थिएटर में परफॉर्मेंस दे रहे थे। तभी वे स्टेज से गिर गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि एक बैटल सीन के दौरान मैकेलेन का पैर फिसल गया, जिसके

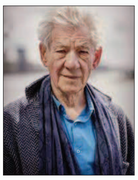

चलते वह गिर पड़े। शो को रद्द कर दर्शकों को थिएटर से बाहर निकालना पड़ा। थिएटर के प्रतिनिधि ने बताया कि मैकेलेन जल्दी और पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे। प्रोडक्शन ने मंगलवार, 18 जून को होने वाले परफॉर्मेंस को रद्द करने का फैसला लिया है, ताकि इयान आराम कर सकें। डॉक्टर रेचल और ली, जो दर्शकों में शामिल थे, और वेन्यू स्टाफ के सभी कर्मचारियों को सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया। बताया जा रहा है कि मैकेलन प्लेयर किंग्स में जॉन फालस्टाफ का किरदार निभा रहे थे। दो अन्य किरदारों से जुड़े फाइट सीन के दौरान मैकेलन स्टेज से गिर गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेता के चिल्लाने पर कर्मचारी मदद के लिए दौड़ पड़े। मैकेलन ने शेक्सपियर के नाटकों में रोल प्ले किया है। उन्होंने मैकबेथ, किंग लियर, रिचर्ड 2, इयागो और रिचर्ड 3 जैसे स्टेज रोल्स निभाए हैं।

जेरुसलम में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग। ये लोग बंधकों की रिहाई की मांग कर रहे थे।

भगोड़े विजय माल्या के बेटे की लंदन में शादी

लंदन। भारत की बैंकों के हजारों करोड़ लेकर भागे उद्योगपति विजय माल्या के बेटे सिद्धार्थ माल्या की शादी होने वाली है। सिद्धार्थ ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। वह अपनी गर्लफ्रेंड जैस्मीन से शादी करने वाले हैं। सिद्धार्थ माल्या ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी है। सिद्धार्थ अमेरिका के लॉस एंजिलिस में पैदा हुए हैं और अपने पिता के साथ ही लंदन में रह रहे हैं। उन्होंने लंदन के ही वेलिंगटन कॉलेज और क्वीन मेरी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। इसके अलावा वह रॉयल सेंट्रल स्कूल ऑफ स्पीच एंड ड्रामा में भी पढ़ चुके हैं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और ऐक्टिंग के करियर की शुरुआत की। सिद्धार्थ ने जैस्मीन के साथ तस्वीर शेयर की है और कैप्शन में लिखा है, वेडिंग वीक की शुरुआत हो चुकी है। उनकी इस पोस्ट पर मित्र और रिश्तेदारों ने शुभकामनाएं दी हैं। सिद्धार्थ ने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें वह क्रीम कलर की शर्ट और हल्की गुलाबी पैंट में दिख रहे हैं। वहीं जैस्मीन ने भी सफेद कलर की ड्रेस पहन रखी है। इससे पहले बीते साल नवंबर में सिद्धार्थ माल्या ने बताया था कि उन्होंने जैस्मीन को प्रपोज किया है। इसके साथ ही दो तस्वीरें भी शेयर की थीं। इनमें से एक तस्वीर में वह घुटनों पर बैठकर जैस्मीन को प्रपोज कर रहे थे। वहीं दूसरी में जैस्मीन एंगेजमेंट रिंग दिखाती नजर आती हैं। सिद्धार्थ माल्या पेशे से ऐक्टर और मॉडल हैं। वहीं उनके पिता यूबी ग्रुप के चेयरमैन रहे हैं, जो शराब कंपनी थी। विजय माल्य पर करीब 10 हजार करोड़ रुपये भारतीय बैंकों के बकाया हैं। वह कई सालों से विदेश में हैं और भारतीय एजेंसियां उनके प्रत्यर्पण के प्रयास कर रही हैं।

अजीत डोभाल से मिले अमेरिका के एनएसए जेक सुलिवन, दोनों देशों ने उद्योग और शिक्षा जगत पर दिया जोर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत और अमेरिका ने सोमवार को अपनी रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी में अगले कदमों पर सहमति जताई और रक्षा, अंतरिक्ष और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में प्रमुख पहलों के साथ आगे बढ़ते हुए रणनीतिक व्यापार में लंबे समय से चली आ रही बाधाओं को दूर करने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल और उनके अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन की सह-अध्यक्षता में महत्वपूर्ण और उभरती हुई प्रौद्योगिकी (iCET) पर भारत-अमेरिका पहल की दूसरी बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा हुई। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि iCET उन्नत सैन्य हार्डवेयर विकसित करने, उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के लिए मानक निर्धारित करने और अगली पीढ़ी के चिप्स और दूरसंचार विकसित करने के लिए सहयोग को बढ़ावा देने के संयुक्त प्रयासों का शिखर है।

इस साल सुलिवन ने दो बार भारत की यात्रा टाली क्योंकि बाइडेन प्रशासन इजरायल-हमास संघर्ष में व्यस्त था, और लोगों ने बताया कि भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच उनकी यात्रा भारत में नई गठबंधन सरकार के गठन के बाद निरंतरता बनाए रखने की अमेरिका की इच्छा को दर्शाती है।

अजीत डोभाल और जेक सुलिवन की मुलाकात

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने सोमवार को अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन के साथ विस्तृत चर्चा की और इस दौरान उन्होंने मुख्य रूप से महत्वाकांक्षी 'महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर भारत-अमेरिका पहल' (आईसीईटी) के क्रियान्वयन, द्विपक्षीय रक्षा संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया।

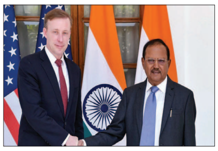

सुलिवन 17 से 18 जून तक दिल्ली की यात्रा पर हैं, जो मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आने के बाद अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन के किसी वरिष्ठ अधिकारी की पहली भारत यात्रा है।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) सुलिवन के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें अमेरिका के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और उद्योग जगत के दिग्गज शामिल हैं। ऐसी जानकारी मिली है कि दोनों देशों के एनएसए ने प्रस्तावित भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) पर भी विचार-विमर्श किया, जिसकी शुरुआत में पश्चिम एशिया में मौजूदा स्थिति के मद्देनजर देरी हो रही है। सुलिवन की भारत यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच इटली के अपुलिया क्षेत्र में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई संक्षिप्त बातचीत के तीन दिन बाद हुई है।

बाइडन प्रशासन के शीर्ष अधिकारी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की। उनके प्रधानमंत्री मोदी से भी मिलने की उम्मीद है। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, आज सुबह नयी दिल्ली में अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन का स्वागत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर व्यापक चर्चा हुई।

उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी हमारे नए कार्यकाल में मजबूती से आगे बढ़ेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मई 2022 में तोक्यो में क्वाड सम्मेलन से इतर 'आईसीईटी' की शुरुआत की थी।

उसके बाद दोनों एनएसए ने सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कम्प्यूटिंग, रक्षा नवाचार, अंतरिक्ष और आधुनिक दूरसंचार समेत नयी एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के विविध पहलुओं पर साझेदारी के क्षेत्रों को चिह्नित करने के लिए समन्वित प्रयास किए हैं। दोनों पक्षों ने आईसीईटी के अंतर्गत नये क्षेत्रों को शामिल किया है, जिसमें जैव प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज और दुर्लभ मृदा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, डिजिटल कनेक्टिविटी, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और उन्नत सामग्री शामिल हैं।

डोभाल-सुलिवन वार्ता

डोभाल-सुलिवन वार्ता से परिचित लोगों ने बताया कि इस यात्रा से दोनों एनएसए को प्रगति की समीक्षा करने और आईसीईटी के लिए नयी प्राथमिकताएं निर्धारित करने का अवसर देती है। दोनों दोनों के एनएसए ने द्विपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा की और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भारत-अमेरिका साझेदारी की समीक्षा की। वे दोनों देशों के अंतर-विभागीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आईसीईटी की पहली वार्षिक समीक्षा की अध्यक्षता भी करने वाले थे। मंगलवार को, दोनों एनएसए भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित उद्योग सीईओ के साथ भारत-अमेरिका आईसीईटी गोलमेज में प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे।

जापान में जानलेवा 'मांस खाने वाले बैक्टीरिया' का प्रकोप... जानें कितना है इसके दुनिया भर में फैलने का खतरा

। कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील के बाद, जापान में एक दुर्लभ और घातक मांस खाने वाले जीवाणु संक्रमण के मामलों में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है। स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम (स्ञ्जस्स्) के रूप में जाना जाने वाला यह भयानक रोग संक्रमण के सिर्फ 48 घंटों के भीतर जानलेवा हो सकता है। जापान के राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान के आंकड़ों के अनुसार, देश में इस वर्ष लगभग 1,000 मामले सामने आ चुके हैं, जो पिछले वर्ष की संख्या से अधिक है। एसटीएसएस ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस (जीएएस) बैक्टीरिया के कारण होने वाला एक गंभीर संक्रमण है। ये जीवाणु विषाक्त पदार्थ उत्पन्न करते हैं जो शरीर में अति-सूजन प्रतिक्रिया को सक्रिय कर देते हैं, जिससे तेजी से ऊतक परिगलन, अत्यधिक दर्द और सदमा उत्पन्न होता है। बैक्टीरिया तेजी से रक्तप्रवाह और अंगों में प्रवेश कर सकता है, जिससे कुछ ही समय में कई अंग काम करना बंद कर सकते हैं। एसटीएसएस के प्रारंभिक लक्षणों में बुखार, मांसपेशियों में दर्द और उल्टी शामिल हैं, लेकिन यह स्थिति जल्दी ही जीवन के लिए खतरा बन सकती है, क्योंकि शरीर सदमे में चला जाता है और निम्न रक्तचाप, सूजन और कई अंगों की विफलता हो सकती है। यू.एस. सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सी.डी.सी.) के अनुसार, 'उपचार के बावजूद, एस.टी.एस.एस. जानलेवा हो सकता है। एस.टी.एस.एस. से पीड़ित 10 लोगों में से तीन लोग संक्रमण से मर जाते हैं।' जानकारी के मुताबिक दो जून तक, जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एसटीएसएस के 977 मामले दर्ज किए थे, जिसकी मृत्यु दर 30 प्रतिशत तक है। जनवरी से मार्च के बीच, संक्रमण से 77 लोगों की मौत हो गई। जापान में चल रहा यह प्रकोप पहले ही पिछले साल के 941 प्रारंभिक संक्रमणों के पिछले रिकॉर्ड को पार कर चुका है - जो 1999 में सांख्यिकी शुरू होने के बाद से सबसे अधिक है। पिछले वर्ष, एस.टी.एस.एस. के कारण 97 मौतें हुईं, जो पिछले छह वर्षों में मृत्यु की दूसरी सबसे बड़ी संख्या थी। टोक्यो महिला चिकित्सा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर केन किकुची ने बीमारी के तेजी से बढ़ने पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'अधिकांश मौतें शुरुआती लक्षण दिखने के 48 घंटों के भीतर हो जाती हैं।' मामलों में वृद्धि कोविड-19 के बाद लोगों की कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण हो सकती है। किकुची ने एनएचके को बताया, ÷अगर हम लगातार बैक्टीरिया के संपर्क में रहते हैं तो हम अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकते हैं।

निखिल गुप्ता ने कहा- मैं बेकसूर हूं, पन्नू की हत्या की साजिश से मेरा कोई लेना देना नहीं

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप झेल रहे भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को अमेरिकी अदालत में पेश किया गया। जहां उन्होंने अपनी बात रखते साफकहा कि पन्नू की हत्या की साजिश रचने में मेरा कोई लेना देना नहीं है। मैं पूरी तरह बेकसूर हूं। अभियोजन पक्ष ने गुप्ता पर खालिस्तानी नेता की हत्या के लिए एक व्यक्ति को सुपारी देने की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। निखिल गुप्ता पर भारत सरकार द्वारा आतंकवादी घोषित खालिस्तान के लिए अभियान चलाने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नून को मारने की साजिश रचने का आरोप है। चेक गणराज्य से प्रत्यर्पण के बाद गुप्ता को ब्रुकलिन में एक जेल में रखा गया है। 52 वर्षीय गुप्ता को पिछले साल 30 जून को चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद अमेरिका ने उनके प्रत्यर्पण की मांग की थी। सदर्न न्यूयॉर्क के संघीय अदालत में मजिस्ट्रेट जज जेम्स कॉट ने 28 जून को होने वाली सुनवाई तक निखिल गुप्ता को हिरासत में रखने का आदेश दिया। निखिल गुप्ता के वकील जेफ्री चैब्रो ने जमानत के लिए आवेदन नहीं किया। अदालत कक्ष के बाहर जेफ्री चैब्रो ने कहा कि यह भारत

और अमेरिका के लिए एक जटिल मामला है और निर्णय के लिए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। इस साल की शुरुआत में चेक संवैधानिक न्यायालय में उनके प्रत्यर्पण के खिलाफ उनकी अपील के कारण उनका प्रत्यर्पण रुका हुआ था। पिछले महीने उनकी अपील खारिज होने पर उन्हें अमेरिका भेजे जाने का रास्ता साफ हो गया। जनवरी में न्यूयॉर्क की अदालत में एक याचिका दाखिल कर गुप्ता के वकील ने कहा था कि उन्हें प्राग में हिरासत में रहने के दौरान बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित रखा गया। वकील ने जनवरी में अदालत से अनुरोध किया था कि अभियोजन पक्ष को मामले के बारे में बचाव पक्ष को अधिक जानकारी प्रदान करने का आदेश दिया जाए, ताकि वह गुप्ता का बचाव किया जा सके। उन्होंने मजिस्ट्रेट को यह भी बताया कि निखिल गुप्ता शाकाहारी हैं। इसलिए उन्हें जेल में शाकाहारी खाना उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

वजह आई सामने... क्यों ऑस्ट्रेलिया से निकले गए थे चार भारतीय खुफिया अधिकारी

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) की जांच के अनुसार, करीब चार भारतीय खुफिया अधिकारियों को 2020 में ऑस्ट्रेलिया छोड़ने को कहा गया था, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर संवेदनशील रक्षा प्रौद्योगिकी और हवाई अड्डे की सुरक्षा प्रोटोकॉल तक पहुँचने का प्रयास किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चार अधिकारी चुपचाप ऑस्ट्रेलिया छोड़ गए और यह मुद्दा द्विपक्षीय रूप से नहीं बढ़ा।

अधिकारियों के निष्कासन ने भारत को रूस और चीन जैसे देशों के बराबर खड़ा कर दिया है, जो विदेशों में प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के लिए कुख्यात हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया, वे पूर्व और वर्तमान राजनेताओं के साथ-साथ राज्य पुलिस सेवा को भी निशाना बना रहे थे। महत्वपूर्ण बात यह है कि उन पर ऑस्ट्रेलियाई भारतीय समुदाय की निगरानी करने का भी आरोप लगाया गया था।

रिपोर्ट ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन के प्रमुख माइक बर्गेस द्वारा 2021 में खुलासा किए जाने के वर्षों बाद आई है कि संगठन ने ऑस्ट्रेलिया में जासूसों के एक घोंसले को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया था। बर्गेस ने कहा था, हमने विदेशी जासूसों का सामना किया और चुपचाप और पेशेवर तरीके से उन्हें हटा दिया। इससे पहले अप्रैल 2024 में, एक मीडिया रिपोर्ट में बताया कि भारत की विदेशी खुफिया सेवा, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के दो अधिकारियों को 2020 में ऑस्ट्रेलिया से निकाला गया था। इसके बाद, स्कॉट मॉरिसन सरकार द्वारा कई भारतीय अधिकारियों को ऑस्ट्रेलिया से हटाया जा रहा था। मई 2022 में मॉरिसन के बाद एंथनी अल्बानीज प्रधानमंत्री बने। इन रिपोर्टों में भारतीय प्रवासियों के सदस्यों की निगरानी और उन्हें डराने-धमकाने में भारतीय खुफिया एजेंसियों की कथित गतिविधियों की ओर भी इशारा किया गया। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने तब 2020 की घटना की पुष्टि करने से इंकार किया था, लेकिन उन्होंने हमारे [ऑस्ट्रेलियाई] लोकतंत्र की लचीलापन सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया, जिसमें विदेशी हस्तक्षेप के किसी भी सुझाव का सामना करना भी शामिल है।

समुद्र में डूबे दो जहाज, 11 की मौत, 66 से ज्यादा लापता, पहले भी हुए हैं हादसे

रोम। प्रवासी नावों में कुछ खराबी आने के कुछ घंटों बाद इटली के तट के पास सोमवार को समुद्र में दो जहाज डूब गए, जिसमें कम से कम 11 प्रवासियों की मौत हो गई, जबकि 66 अन्य लापता हैं। इससे भी इस तरह की घटनाएं सामने आईं हैं। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, इस वर्ष अब तक भूमध्य सागर को पार करते हुए लगभग एक हजार लोग मारे गए हैं या लापता हो गए हैं। 2023 में 3,155 लोग लापता हो गए थे। दक्षिणी इटली में कैलाब्रिया के तट से लगभग 120 मील (193 किमी) दूर संकट में फंसी नाव को देखकर एक मर्चेंट शिप ने सबसे पहले एसओएस कॉल किया, जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। मर्चेंट शिप ने 12 लोगों को बचाया और इटली के कोस्ट गार्ड जहाज के आने तक उनकी सहायता की। कोस्ट गार्ड के अनुसार, एक महिला की जहाज से उतरने के तुरंत बाद मौत हो गई, वो बहुत बीमार थी। कोस्ट गार्ड ने एक बयान में कहा, नाव के डूबने के बाद बचे लोगों की तलाश जारी है। कोस्ट गार्ड ने बताया कि दो इतालवी गश्ती नौकाएं और एक एटीआर42 विमान खोज में शामिल हैं और जल्द ही मेडिकल टीमों के साथ एक और गश्ती जहाज खोज अभियान में शामिल हो जाएगा। सोमवार देर शाम तक कोई और जीवित नहीं मिला। जिन 66 लोगों के मरने की आशंका है, उनमें 26 नाबालिग हैं। जीवित बचे लोगों के बयान के अनुसार, यह नाव पिछले सप्ताह तुर्की से रवाना हुई थी, जिसमें इराक, सीरिया, ईरान और अफगानिस्तान से प्रवासी और शरणार्थी सवार थे। इतालवी अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। नाव भूमध्य सागर के रास्ते यूरोप पहुंचने की कोशिश कर रही थी।

अब गायब हुए विमान का पता लगाएगी हाइड्रोफोन रिकॉर्डिंग

–239 लोगों के साथ लापता हुआ विमान आज भी बना हुआ रहस्य

लंदन (एजेंसी)। आज भी दुनिया में कई हवाई जहाज हादसे रहस्य बने हुए हैं। कुछ की जांच पड़ताल अभी भी चल रही है। 2014 में लापता हुए बोइंग 777 की एक दशक से भी ज्यादा समय से चल रही खोज में रडार, उपग्रह, वायु और सोनार अनुसंधान शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक रिसर्च का मनना है गायब हुए एमएच370 विमान के रहस्य को जल्द सुलझा लिया जाएगा। इसकी वजह एक ऐसी ध्वनि है जो दुनिया को जवाब दे सकती है जिसकी सभी को उम्मीद थी लेकिन अब ऐसा कहा जा रहा है कि कुछ सरल चीज उस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की सच्चाई को उजागर कर सकती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक कार्डिफ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं का कहना है कि उनके हाइड्रोफोन रिकॉर्डिंग है जिसकी बदौलत विमान में सवार 239 लोगों के साथ क्या हुआ, इसका पता चल सकता है। हाइड्रोफोन रिकॉर्डिंग का उपयोग परमाणु विस्फोटों का पता लगाने और समुद्र में दबाव में बदलाव की निगरानी के लिए किया जाता है। फ्लाइट 370 मलेशिया एयरलाइंस द्वारा संचालित एक अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ान थी जो 8 मार्च, 2014 को रडार से गायब हो गई थी। उस समय विमान में 227 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे और इसके लापता होने के बाद हिंद महासागर, ऑस्ट्रेलिया के पश्चिम से लेकर मध्य एशिया तक खोज अभियान चलाया गया था। मलबे के कुछ हिस्से बहकर आ चुके हैं, लेकिन विमान के लापता होने का स्थान या उसमें क्या गलत हुआ, इसका पता आज तक नहीं चल पाया। विश्वविद्यालय में गणितज्ञ और इंजीनियर डॉ. उसामा कादरी कहते हैं कि विमान के लापता होने के समय पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के केप लीउविन और डिएगो गार्सिया में संयुक्त राज्य अमेरिका के हिंद महासागर नौसैनिक अड्डे पर हाइड्रोफोन काम कर रहे थे। वे कई सवालों का जवाब दे सकते हैं। उनका कहना है कि 200 टन के विमान की दुर्घटना से एक छोटा सा भूकंप आया होगा जिससे हजारों किलोमीटर दूर से भी हाइड्रोफोन को रिकॉर्ड कर सकते हैं।

संपादकीय

फिर रेल हादसा

पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना जितनी दुखद है, उतनी ही विचारणीय है। यह बात पहली नजर में ही साफ हो गई है कि दुर्घटना मानवीय भूल की वजह से हुई है। एक मालगाड़ी ने अगरतला से सियालदह जा रही कंचनजंघा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मारी है। हादसे के समय कंचनजंघा एक्सप्रेस खड़ी थी और मालगाड़ी के लोको पायलट ने रेड सिग्नल की परवाह नहीं की या उसे देखना जरूरी नहीं समझा। सोमवार सुबह हुई इस दुर्घटना में करीब 9 लोग काल के गाल में समा गए और पचास से ज्यादा घायल हुए हैं। जाहिर है, इस भयानक टक्कर में मालगाड़ी के ड्राइवर और एक्सप्रेस ट्रेन के गार्ड की भी जान चली गई है। ज्यादा नुकसान गार्ड कोच और दो पार्सल वैन को हुआ है, इस वजह से यात्रियों पर बहुत ज्यादा असर नहीं हुआ है। जिस गति से बचाव कार्य किया गया है, उसकी तारीफ करनी चाहिए। इसके साथ ही पीड़ितों की चिकित्सा के साथ ही मुआवजा घोषित करने में भी पर्याप्त तेजी दिखाई गई है। दरअसल, इस हादसे के पीछे केवल मानवीय विफलता नहीं है। बताया जा रहा है, स्वचालित सिग्नन-प्रणाली भी खराब थी, इसकी वजह से सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस खड़ी हो गई थी। मालगाड़ी के ड्राइवर ने भी सिग्नल की अवहेलना की। यह समग्रता में रेलवे की नाकामी है। इस टक्कर को टाला न जा सका। अब यहां जांच में कई सवाल खड़े होंगे? सिग्नल क्यों खराब था और अगर सिग्नल खराब था, तो रेल अधिकारी दुर्घटना को रोकने के लिए क्या वैकल्पिक उपाय कर रहे थे? इक्का-दुक्का निचले कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहरा देना पर्याप्त नहीं होगा? केंद्रीय रेल मंत्री मौके पर पहुंच गए हैं, तो उन्हें हादसे की वजहों की पूरी पड़ताल करनी चाहिए। अब ऐसे हादसे पहले की तुलना में बहुत कम होते हैं, लेकिन इनका होना पूरी रेल सेवा पर ही प्रश्नचिह्न लगा देता है। ऐसे प्रश्नचिह्नों के सहारे जाहिर है, सियासत भी तेज होती है। ऐसे में, सत्तारूढ़ पार्टी और केंद्र सरकार को निशाना बनाया जा रहा है, तो आश्चर्य नहीं। देश में हादसों पर सियासत का लंबा इतिहास रहा है और रेलवे ने यह मौका दिया है। ध्यान रहे, सियासत को रोका नहीं जा सकता, पर दुर्घटनाओं को जरूर रोका जा सकता है। भारत में जब तेज गति से रेलगाड़ियां दौड़ने लगी हैं, तब तो दुर्घटनाओं की आशंका को शून्य बनाने में ही सबकी भलाई है। अव्वल तो इस हादसे के दोषियों को आपराधिक लापरवाही की वजह से घेरा जाना चाहिए। दूसरी बात, जब बारिश का मौसम आ ही चुका है, तब दूरदराज के तमाम इलाकों में सिग्नल क्षमता व पटरी की स्थिति को युद्ध स्तर पर परख लेना चाहिए। खराब मौसम भी अक्सर हादसों की वजह बनता है। विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नेटवर्क की जांच जरूरी है। तीसरी बात, अक्सर चर्चा होती है कि रेलवे में बहुत पद खाली हैं, ऐसे में, यह भी मान लिया जाता है कि कहीं न कहीं रेल संचालन और सेवा गुणवत्ता में कमी रह जा रही है, जिसका खामियाजा हम यदा-कदा भुगतते रहते हैं। ऐसी कमी या मजबूरी का अंत होना चाहिए। चौथी बात, पिछले वर्षों से चर्चा होती रही है कि भारत में ही विकसित रेल टक्कर-रोधी प्रणाली 'कवच' आ गई है, एक पटरी पर दो ट्रेनों के करीब आते ही परिचालन स्वयं थम जाएगा। कहने की जरूरत नहीं कि बिना देरी तमाम ट्रेनों को कवच पहनाने का कार्य युद्धस्तर पर होना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यो में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।ड्ड

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

परिपक्व नेता बनकर उभर रहे है राहुल गांधी!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

(19 जून जन्मदिन पर)

जब से इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में मजबूती हासिल की है,तब से राहुल गांधी एक परिपक्व नेता के रूप में उभरे है।कांग्रेस को बचाये रखने में राहुल गांधी का बड़ा योगदान है।अकेले दम पर चार हजार किमी की पदयात्रा कर असली भारत को जानने में सफल रहे राहुल ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ और देशभर में इंडिया गठबंधन का अग्रणी हिस्सा बनकर कर मोदी सरकार को सीधे सीधे चुनौती दी ,जिसमे कांग्रेस राहुल गांधी व अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत 99 लोकसभा सीटे पाने में कामयाब हुए,जो अब 102 तक पहुंच चुकी है,जबकि इंडिया गठबंधन का आकंड़ा 234 पर रहा, जो अब कांग्रेस के तीन सांसद बढ़ने से 237 पर जा पहुंचा है।हालांकि अपने बयानों जैसे मोदी सरनेम पर टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने और 2 साल की सजा मिलने के एक दिन बाद राहुल गांधी की संसद सदस्यता भी खत्म कर दी गई थी।लेकिन उन्होंने हार नही मानी और दोगुनी मजबूती के साथ रायबरेली व वायनाड सीटे जीत कर आए। लोकसभा चुनाव से पूर्व तत्कालीन मोदी सरकार द्वारा विपक्ष के नेताओं को चुन-चुनकर निशाना बनाया जाता रहा है। लेकिन सच यह भी है कि राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म होने के बाद ही विपक्षी दलों की केंद्र के खिलाफ एकजुटता और मजबूत हो गई थी। उसी दौर में दिल्ली के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया की गिरफ्तारी हुई तो विपक्ष ज्यादा मुखर नही हुआ था।इसी तरह से लालू यादव परिवार के खिलाफ ईडी और सीबीआई की कार्रवाई पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक सीधे-सीधे कुछ कहने से बचते रहे।नीतीश कुमार तो तभी पलटी मानकर इंडिया गठबंधन छोड़कर एनडीए से जा मिले थे और अब एनडीए घटल के सदस्य होने के कारण सत्ता सुख भोग रहे है। उस समय राहुल गांधी की सदस्यता खत्म किए जाने पर कांग्रेस के अलावा दूसरी विपक्षी पार्टियों ने एक सुर में मोदी सरकार पर हमला बोला था।शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे राहुल गांधी के साथ हुई घटना को लोकतंत्र की हत्या ठहरा रहे थे तो ममता बनर्जी बीजेपी पर संवैधानिक लोकतंत्र को नए गर्त में ले जाने का आरोप लगा रही थी। सबसे तल्ख तेवर तो आम आदमी पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल के थे, जिन्होंने दिल्ली विधानसभा में बोलते हुए कहा था कि 12वीं पास पीएम का अहंकार सातवें आसमान पर है। इस तरह, अलग-अलग मोर्चों, क्षेत्रीय समीकरणों की वजह से छिन्न-भिन्न दिख रही विपक्षी एकजुटता को लोकसभा चुनाव से पहले नई जान मिल गई थी। राहुल गांधी के मामले ने सरकार के खिलाफ विपक्ष को एकजुट होने के लिए बड़ा मुद्दा दे दिया था।राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने से कांग्रेस को सहानुभूति का लाभ मिला था,जो लोकसभा चुनाव तक बरकरार रहा। कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को भुनाने में कोई कोर कसर नहीं छोडी। राहुल गांधी को अपील कोर्ट से राहत मिलने के बाद ही उनके पक्ष में सहानुभूति की लहर देखने को मिली है। इसका सबसे सबसे बढ़िया उदाहरण 2021 का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव है। तब नंदीग्राम में लोगों से मिलने के दौरान ममता बनर्जी के पैरे में चोट लग गई थी। उसके बाद ममता दीदी व्हील चेयर पर बैठकर प्लास्टर चढ़े पैर और खेला होबे नारे के साथ प्रचार अभियान में उतरी तो चुनावी फिजा ही बदल गई। सहानुभूति लहर के सहारे टीएमसी न सिर्फ सत्ता बचाने में कामयाब हुई बल्कि बीजेपी को 2 अंकों तक समेट दिया। उस चुनाव में ममता बनर्जी के पक्ष में कहीं न कहीं सहानुभूति फैक्टर काम किया था,जो लोकसभा चुनाव तक प्रभावी रहा।राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता जाने के बाद कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को जन सहानुभूति का हथियार बनाने की कोशिश में कोई कोर-कसर नहीं छोडी थी।राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म होने से बिखरा हुआ विपक्ष न सिर्फ मजबूती से मोदी सरकार के खिलाफ लामबंद हो गया था, बल्कि ये मुद्दा कांग्रेस के पक्ष में जन सहानुभूति की लहर भी पैदा कर गया। बीजेपी को भी पता था कि कांग्रेस इस मुद्दे पर जनता की सहानुभूति हासिल करने की हर मुमकिन कोशिश करेगी । इसीलिए उसने उसे कांउटर करने के लिए ओबीसी कार्ड खेलने की कोशिश की थी।

लोक-प्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 8(3) के तहत अगर किसी नेता को दो साल या इससे ज्यादा की सजा सुनाई जाती है तो उसे सजा होने के दिन से उसकी अवधि पूरी होने के बाद आगे छह वर्षों तक चुनाव लड़ने पर रोक का प्रावधान है। अगर कोई विधायक या सांसद है तो सजा होने पर वह अयोग्य ठहरा दिया जाता है। उसे अपनी विधायकी या सांसदी छोड़नी पड़ती है। इसी नियम के तहत राहुल की सदस्यता चली गई। सूरत की जिस अदालत ने राहुल को सजा सुनाई है, उस अदालत ने राहुल गांधी को फैसले के खिलाफ सेशंस कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए एक महीने का समय दिया था। तब तक राहुल गांधी की सजा पर रोक रही। मतलब वह इस दौरान जेल जाने से बचे रहे।सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के अनुसार, ऐसे मामलों में सजा निलंबित होने का मतलब दोषी को केवल जेल जाने से राहत मिलती है लेकिन सजा के अन्य असर प्रभावी रहेंगे। जैसे कि अगर कोई संसद या विधानसभा का सदस्य है तो उसकी सदस्यता चली जाएगी, वोट देने का अधिकार भी खत्म हो जाएगा। चूंकि कोर्ट ने राहुल को दोषी करार कर दिया । इसलिए नियम के अनुसार राहुल की सदस्यता चली गई थी। जिस न्यायालय ने सजा सुनाई थी,जब उसी ने सजा को अपील समय तक यानि एक माह तक के लिए सजा को निलंबित किया तो संसद सदस्यता समाप्त करने के लिए भी एक माह का इंतजार किया जा सकता था,जो संसद ने नही किया और उनकी सदस्यता समाप्त कर दी थी।

आमतौर पर अदालतें जब किसी व्यक्ति को सजा सुनाती हैं और अगर सजा मामूली है और संज्ञेय अपराध नहीं है तो उसको अगली शीर्ष अदालत में अपील के लिए जो समय दे दिया जाता हैं, उस अवधि के लिए उसके द्वारा तय जमानत राशि देने पर जमानत दे दी जाती हैं।जब अदालत को जमानत राशि तय करनी होती है तो वह कई बातों पर विचार करती है।जैसे अपराध या सजा की स्थिति की कितनी गंभीर है। वही जिसे जमानत दी जा रही है, उसकी स्थिति क्या है। उसके लिए कितनी जमानत की राशि उपयुक्त रहेगी। कई बार ये जमानत राशि व्यक्ति की हैसियत देखकर भी तय होती है।जमानत की ऊपर की स्थितियों में बताई गई जमानत की राशि अदालत या जज के विवेक पर तय होता है।अदालत यह फैसला करती है कि जिस व्यक्ति को जमानत दी जा रही है, उसे कितनी जमानत की राशि देनी चाहिए, ये व्यक्ति की हैसियत के साथ उसके अपराध और सजा की प्रवृत्ति पर भी निर्भर करता है।राहुल गांधी को संसद से अयोग्य करार दिया जाना कांग्रेस पार्टी के के लिए बड़ा झटका था।क्योंकि इसके बाद वे रिप्रजेंटेशन ऑफ द पीपुल एक्ट 1951 के तहत 8 साल तक वे चुनाव न लड़ पाते लेकिन शीर्ष अदालत ने राहुल गांधी को इन सब संकटो से पार कर दिया। आपातकाल के समय भी इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी को भारी हार का सामना करना पड़ा था।सीबीआई ने उन्हें अपनी कस्टडी में लिया था।पूर्व प्रधानमंत्री को उस समय इन्क्वायरी कमीशन के सामने पेश होना पड़ा था और उनसे कई कड़े सवाल पूछे गए थे।बाद में उन्होंने खुद को पीड़ित बताया था और जनता की सहानुभूति बटौरी थी।उसके बाद वे योद्धा बनकर उभरी थी और सन 1980 में शानदार सत्ता में वापसी की थी। इस लोकसभा चुनाव से पहले तक बीजेपी लगातार ये कहती रही कि उसके चुनाव जीतने में राहुल गांधी बड़ा फैक्टर हैं। हालांकि, ये पूरी तरह से सच नहीं था, बीजेपी को जीत इसलिए मिलती रही क्योंकि विपक्ष में बड़ा बिखराव था। इसी कारण मोदी वर्सेज राहुल करने से 2024 के चुनाव के लिए बीजेपी के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने में कांग्रेस को सफलता मिली है। वही ममता बनर्जी ने यह तक कह दिया था कि पीएम मोदी के लिए राहुल सबसे बड़े टीआरपी हैं। ऐसे में अगर राहुल आक्रामक रुख नहीं अपनाते और कांग्रेस बड़े भाई के अपने बर्ताव वाले रूख को छोड़ देती तो विपक्षी पार्टियां उनके साथ एकजुट न हो पाती।हालांकि ममता बनर्जी ने हमेशा बातचीत के लिए राहुल गांधी की मां सोनिया गांधी को ही तरजीह दी है। गठबंधन से पूर्व दिल्ली के सीएम केजरीवाल भी कई मौको पर राहुल पर तंज कसते रहे हैं।हालांकि, राहुल गांधी को सजा सुनाए जाने के बाद केजरीवाल ने ट्वीट करते हुए कहा था कि कांग्रेस के साथ हमारे मतभेद है, लेकिन मानहानि केस में राहुल गांधी को इस तरह से फंसाना ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा था कि गैर बीजेपी नेताओं और पार्टियो को हटाने के लिए साजिश रची जा रही है।ऐसे में कोर्ट के फैसले के बाद जहां एक तरफ राहुल गांधी का हस्तक्षेप पार्टी के लिए बढ़ गया था, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष की कांग्रेस के साथ आने का रास्ता साफ हो गया। केन्द्रीय जांच एजेंसियों के खिलाफ कांग्रेस समेत 14 पार्टियो का एक साथ सुप्रीम कोर्ट का रुख करने से ही कांग्रेस दूसरे विपक्षी दलों को अपने साथ लेकर आगे बढ़ने में कामयाब हुई है। जिससे 19 विपक्षी दल एकजुट हो गए। ऐसे में गैर बीजेपी पार्टियो का गठबंधन जहां प्रभावी हो सका है। वही कांग्रेस को संजीवनी मिली है।जिसका फायदा इंडिया गठबंधन को बीते लोकसभा चुनाव में मिल पाया।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

आधुनिक भारत के सच्चे निर्माता कौन है

(लेखक-विनोद तकियावाला)

विश्व के सबसे बड़े व प्राचीन प्रजातंत्र भारत में इन दिनों एक बहस की शुरुआ हो गयी आधुनिक भारत के निंमाता स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु जी है या कोई और है।आधुनिक भारत के निर्माता का सरताज का असली हकदार नेहरू जी ना हो कर-सन 2014 के बाद में ही भारत को आजादी मिली व आधुनिक भारत का नव निर्माण कार्य शुरू किया है।सर्व विदित रहे कि स्वतंत्र लोकतंत्र की स्वस्थ्य प्रम्पराओ में स्वस्थ्य चर्चा होना अच्छी बात है।लेकिन बिना सिर पैर के कही,कुछ भी चर्चा के नाम बहस करना है लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है।भारत को 1947 में आजादी नही मिली बल्कि 2014 में भाजपा के कुशल नेतृत्व में मिली है।आज हम अपने इस आलेख में चिन्तन मनन कर रहें है।क्या जो देश सर्दीयों से गुलामी के बेड़ियो म जकड़े था।वर्षो रहने के बाद आखिरकार हमारा देश स्वतंत्र हुआ।यह जग जाहिर था हमारी वास्तविक स्थिति राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर क्या रही होगी!आजादी के पूर्व कुछ लोग आज भी साक्षी है।अंग्रेजो ने हमें आजादी तो दी,लैकिन देश को चलाने के लिए ना तो कोई संसाधन ना कोई धन का श्रोत।हाँ1947 में हमारे देश को दो टुकड़े कर अंग्रेजो ने दो भाई में एक दुशमनी की दीवार खड़ी कर दी।ऐसे में तत्कालीन प्रधानमंत्री व राजनेताओ के समाने देश को सुचारू रूप से चलाने व भारत की एक नई पहचान अन्तराष्ट्रीय मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कोई आसान काम नही था।ऐसे विषय परिस्थित में मै यहाँ कुछ घटनाओं का उल्लेख कर रहा हूँ । बात सन 1950 के दशक के आखिरी साल थे।स्वतंत्र भारत प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू चाहते थे कि देश की राजधानी नई दिल्ली के मध्य में विदेशी दूतावासों तथा उच्चायोगों के लिए जगह निकाला जाए।आप को स्पष्ट कर दें कि उस समय अमेरिकी,ब्रिटिश, पाकिस्तान वगैरह देशों के दूतावास बंगलों या छोटी जगहों से चल रहे थे।इसके बाद शहरी विकास मंत्रालय तथा नई दिल्ली नगर परिषद(हृष्ठरूष्ट) ने नेहरू जी के सपनों को साकार करते हुए जगहों को विकसित किया जिसे चाणक्यपुरी के नाम से लगा।यह नाम स्वयं नेहरू जी ने खुद चाणक्यपुरी नाम तय किया था।इसके पीछे पं0 नेहरू की गहन सोच थी कि कूटनीति, अर्थनीति,राजनीति के महाविद्वान थें जिन्होने अपने ज्ञान का सदुपयोग,जनकल्याण तथा अखंड भारत के निर्माण जैसे सृजनात्मक कार्यो में करने के कारण चाणक्य के प्रति सारा देश कृतज्ञ रहता है।उन्हें ही कौटिल्य भी कहा गया।आप को स्पष्ट कर दे कि चाणक्य और कौटिल्य दोनों एक हैं।जो चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रधान सलाहकार थे। राजधानी के इसी डिप्लोमेटिक एरिया चाणक्यपुरी की एक खास सड़क का नाम पंचशील मार्ग रखा गया है।इसके पीछे तर्क यह थी कि भारत-चीन के बीच रहने वाली तनातनी के चलते पंचशील शब्द बेमानी हो गया है।लैकिन इन दोनों देशों ने विश्व कूटनीति को पंचशील का सिद्धांत दिया।पंचशील मार्ग 1960 में दिल्ली के नक्शे में आया था।पंचशील शब्द मूलतः बौद्ध साहित्य व दर्शन से जुड़ा शब्द है।चौथी-पांचवी शताब्दी के बौद्ध दार्शनिक बुद्धघोष की पुस्तक विशुद्धमाग्गो में पंचशील मतलब,पांच व्यवहार की विस्तृत चर्चा है जिस पर बौद्ध उपासकों को अनुसरण करने की हिदायत दी गई है।पंचशील में शामिल सिद्धांत थे राष्ट्रवाद,मानवतावाद, स्वाधीनता,सामाजिक न्याय और ईश्वरआस्था की स्वतंत्रता।इतने महत्वपूर्ण शब्द पर राजधानी की एक खास सड़क का नाम रखा जाना सुखद है।पंचशील शब्द पर सड़क का नाम रखने का सुझाव डॉ विधिवेत्ता डॉ. लक्ष्मीमल सिंघवी ने दिया था।नेहरू जी ने इस पर मोहर लगाई थी।डॉक्टर सिंघवी के पुत्र अभिषेक मनु सिंघवी जो काँग्रेस के नेता हैं।कूटनीति के जानकार डॉ भगवान प्रसाद सिन्हा कहते हैं कि 29 जून 1954 को तिब्बत के मसले पर भारत और चीन के बीच एक समझौता हुआ। इस समझौते में भारत और चीन के संबंधों तथा अन्य देशों के साथ पारस्परिक संबंधों में भी शांतिपूर्ण सह- अस्तित्व के पांच आधारभूत सिद्धांतों का प्रतिपादन किया गया।इन्हीं पांच सिद्धांतों का नाम पंचशील रखा गया जो इस बात पर जोर देता था कि सभी राष्ट्र एक दूसरे की संप्रभुता एवं प्रादेशिक अखंडता का सम्मान करेंगे।जग जाहिर है,इस शब्द का अर्थ गहरा है। एक बात जान लें कि चाणक्यपुरी क्षेत्र का समय के साथ विस्तार होता रहा।वहां पर विभिन्न देशों को अपने दूतावास बनाने के लिए स्पेस मिलते रहे।जिस सड़क पर संयुक्त अरब अमीरत एंबेसी और अमेरिकन स्कूल है उसका नाम रखा गया चंद्रगुप्ता मौर्या मार्ग। चंद्रगुप्त मौर्या ने संसार को केन्द्रीयकृत शासन का विचार दिया।चंद्रगुप्त मौर्य ने अपने शासनकाल में जितनी भी सफलताएं प्राप्त की थी,इतनी उपलब्धियां किसी अन्य भारतीय शासक ने प्राप्त नहीं की।उनके नाम पर कभी किसी को आपति हो ही नहीं सकती। चाणक्यपुरी इलाके में आप को मिलेगा न्याय मार्ग।चूंकि नेहरू लोकतंत्र और न्याय को एक-दूसरे का पर्याय ही मानते थे इसलिए उनकी प्रेरणा से रखा गया न्याय मार्ग।नेहरू जी के 27 मई,1964 को दिवंगत होने के बाद भी चाणक्यपुरी में जिन सड़कों के नाम रखे गए उनमें उनका असर मिलता है।वे गुट निरपेक्ष आंदोलन के जनक थे।इसलिए न्याय मार्ग पर घाना के स्वतंत्रता आंदोलन के शिखर नेता के नाम पर क्वामे नकरूमा मार्ग है।नकरूमा भी निर्गुट आंदोलन के असरदार नेता थे।नेहरू जी अफ्रीका के मित्र थे।उन्होंने सूडान के लिए चाणक्यपुरी की मेन रोड पर एंबेसी के लिए जगह उपलब्ध कराया था।बाद में यहाँ अफ्रीका फ्रेंडशिप रोज गॉर्डन भी बना। इधर गुलाब के गुलों से आने वाली महक से आप खुश हो जाएंगे।इन गुलाबों को देखकर नेहरू जी की शेरवानी पर लगे गुलाब की याद भी आ सकती है।आज जगह- जगह एक प्रशन उठाया जाता है 70 बर्षो में एक राजनीतिज्ञ ने क्या किया है।जो इन्होंने 10 बर्ष के अल्प कार्यकाल किया है।श्याद उन्हे मेरा आलेख प्रसंद ना आये । मुझे उन्हे तो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तक प्रसंद नही है,लैकिन जब उन्हे उनकी जरूरत पड़ती है उनकी समाधि पर जाकर उन्हें अपनी उपस्थिति दर्ज कराने से भुलते नही है।कुछ लोग ऐसे भी है जो भारत के आजादी-2014 के बाद मानते है।अच्छे दिन आयेंगे,मेक इन इण्डिया,आजादी का अमृत महोत्सव,अमृतकाल व मोदी की गारंटी आदि के सहारे आधुनिक भारत का निर्माता तक स्वयं भू घोषित कर दिया है।मुझे क्या।यें आप पर पर निंभर करता है कि आप किसे आधुनिक भारत का असली निर्माता मानते है।उन्हें जिन्होंने अंग्रेजों सें लड़कर ना केवल भारत माता को आजादी दिलाई ब्लकि अपने नागरिकों व अपने देश को अन्तराष्ट्रीय मंच लाकर आत्म निर्भर बनाया है।ना केवल जुमले बाजी,वाक्य पटुता ,बेरोजगारी,भुखमरी, प्रेस स्वतंत्रता के 161 स्थान तो 80 करोड़ देश वासियों 5 किलो अनाज के लिए कतार में लाकर खड़ा कर दिया।इतना ही नही कई सरकारी,अर्द्ध सरकारी कम्पनियों के प्राईवेट कम्पनी के हाथ सौप दिया,पारदर्शिता के नाम पर इल्कट्रोल ब्राण्ड को अकेला चन्दा वसूल किया।लोक सभा 24 के चुनाव में पार्टी 244 सीटों पर लाकर खड़ा कर दिया,फिर भी 60 वर्ष के अपने तीसरे कार्यकाल की सता के सिंधासन पर ऐन केन प्रकरेण आसीन होकर फूले नही समा रहें है।

विचार मंथन

बिजली चोरी रोकने करोडों बिजली उपभोक्ताओं के यहां लगेंगे स्मार्ट मीटर

(लेखक-सनत कुमार जैन/)

केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के अंतर्गत सभी राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाने की मुहिम शुरू की गई है। इस योजना के अंतर्गत बिजली कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं को सुरक्षा निधि जमा नहीं करनी पड़ेगी।पहले जो सुरक्षा राशि बिजली कंपनियों में जमा है, उस राशि को स्मार्ट मीटर मैं टेरिफ के साथ समयोजित कर दी जाएगी। घरेलू एवं वाणिज्य बिजली उपभोक्ताओं के लिए बिल में 25 पैसे प्रति यूनिट की छूट उपभोक्ताओं को दी जाएगी। जिन उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगेंगे। उन्हें विभिन्न प्रभारों से भी छूट मिलेगी। प्रत्येक रिचार्ज पर बिजली कंपनी द्वारा छूट भी दी जाएगी। मीटर में बैलेंस खत्म होने के बाद 3 दिन तक बिजली की आपूर्ति जारी रहेगी। स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट के माध्यम से केंद्र सरकार ने राज्यों में बिजली चोरी रोकने के लिए यह योजना लागू की है। इसके लिए मोबाइल ऐप भी शुरू किया जा रहा है। सर्वेक्षण के दौरान जीपीएस की लोकेशन और सर्विस लाइन इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त की जाएगी। स्मार्ट मीटर में हर 15 मिनट में विद्युत भार की जानकारी भी उपभोक्ता को प्राप्त होगी। भविष्य में सोलर रूफटॉप कनेक्शन लेने पर मीटर और मॉडेम खरीदने की जरूरत नहीं होगी। देश के सभी राज्यों में चयनित जिलों में यह योजना शुरू कर दी गई है। प्रत्येक राज्य की बिजली कंपनियों में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी हो रही है।बिजली की लागत और बिजली बिलों से होने वाली आय का अंतर बड़े नुकसान के रूप में बिजली कंपनियों को हो रहा है। पिछले कई दशकों से केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने खरबों रुपए की बिजली के उत्पादन, विक्रय के नुकसान और बिजली चोरी रोकने के लिए खर्च किए गए।लेकिन इसका कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला। बिजली चोरी रोकने के लिए पहले इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाए गए। अब स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। मीटर का गोरख धंधा पिछले 30 सालों से चल रहा है। पिछले एक दशक में मोबाइल रिचार्ज कराने की आदत मोबाइल उपभोक्ताओं की बन चुकी है। उसी तर्ज पर अब बिजली के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के यहां लगाए जाएंगे।बिजली कंपनियों के पोर्टल से स्मार्ट मीटर को नियंत्रित किया जाएगा। अब बिजली उपभोक्ताओं को बिजली खर्च करने के पहले अपनी जरूरत के अनुसार राशि से मीटर को चार्ज करना होगा। तभी उन्हें घर और ऑफिस में बिजली मिल पाएगी। स्मार्ट मीटर को लेकर जनता की क्रिया प्रतिक्रिया क्या होती है, इसे भविष्य में ही जाना जा सकता है। बिजली कंपनियों के भ्रष्टाचार की कोई पराकाष्ठा नहीं है। कोयले की खपत, कोयले की चोरी, आइल की चोरी, बिजली का उत्पादन, ट्रांसमिशन लाइनों में भारी नुकसान, पिछले कई वर्षों से चला आ रहा है।इसको रोकने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और बिजली कंपनियों ने पिछले कई दशकों में अरबो रुपए खर्च कर लाइन लास और बिजली चोरी रोकने का प्रयास किया है। लेकिन इसमें कोई सफलता नहीं मिली। स्मार्ट मीटर की गाज केवल गरीबों पर गिरेगी, या इसका असर अमीरों पर भी पड़ेगा।वर्तमान स्थिति में यह कहना मुश्किल है। जो भी नियम कायदे कानून और व्यवस्थाएं बनती हैं। वह गरीब और मध्यम वर्ग के लिए होती हैं। उद्योग

समूह और बड़े-बड़े लोगों के लिए अलग कानून और अलग सुविधायें होती हैं। सरकार स्मार्ट मीटर के फायदे जरूर बता रही है। इसका फायदा किस रूप में किसको होगा। इसका पता भविष्य में ही चल पाएगा। परिवर्तन के साथ स्मार्ट मीटर एक अच्छी व्यवस्था है। इसके साथ-साथ बिजली की दरें कम हों। बिजली कम्पनियों के भ्रष्टाचार पर रोक लगे। इसके उपाय भी समय रहते शुरु होने चाहिए। तभी इसके सार्थक परिणाम देखने को मिलेंगे।

अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है।

लीडर बनोगे या पोजीशन होल्डर?

आईआईएम कोझिकोड के निदेशक देबाशीष चटर्जी ने अपनी हालिया किताब 'द अदर 99' में लीडरशिप के जटिल मुद्दों को उठाया है। एक लीडर और एक पोजिशन होल्डर के बीच के अंतर पर यह किताब खास जोर देती है। किताब कहती है कि अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है। इस भूमिका में एक नेता जीवन को वह लौटा रहा होता है, जो उसे जीवन से मिला है। अपने योगदान से वह अपने साथ के लोगों को विकसित करने और उन्हें अपना प्रकाश ढूंढ़ने के लिए प्रेरित करता है। पोजिशन होल्डर की तुलना में एक लीडर का काम स्व-सेवा के दायरे से निकल कर बड़े स्तर पर काम को प्रभावित करना होता है। अक्सर हम अपनी ऊर्जा काम की जगह काम के बारे में बोलने में खर्च करते हैं। आईबीएम के सीईओ लो गर्स्टनम ने कहा है, मैं हरेक काम को बिना बोले अंजाम देने में यकीन रखता हूं। जब काम सब कुछ कह रहा हो, तो बोलकर उसमें बाधा डालने की जरूरत क्या है? जब काम कर रहे हों, तो पूरा ध्यान काम पर ही लगाएं। जैसे, जब आप चल रहे हों, तब केवल चलें और अपने पैरों का सतह के साथ संपर्क अनुभव करें। आपको अपने पैर ऊर्जा के केंद्र प्रतीत होंगे। अन्य कार्यों में भी ऐसा करके आप अपने कामों को गति दे सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ाने का अच्छा तरीका निःस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करना है। हारवर्ड के एक शोध के अनुसार जो लोग बिना किसी लोभ के दूसरों की मदद करते हैं, उनमें ऊर्जा का स्तर अधिक होता है। दूसरों की मदद करके हम अपनी सीमाओं में विस्तार कर पाते हैं। कार्यों में गैर जरूरी और बेतरतीब कामों को नोट करके रखें। काम के दौरान गॉसिपिंग एक ऐसा ही कार्य है, जिससे काम में भी कोई मदद नहीं मिलती और मूर्खतापूर्ण बातों में समय और ऊर्जा भी व्यर्थ होते हैं। अपनी ऊर्जा को गैर-जरूरी कामों से निकाल कर जरूरी कामों में निवेश करें। कब विराम लगाना है, यह जानना भी जरूरी है। एक सीमा के बाद कार्य पर से ध्यान हटाना भी जरूरी होता है, क्योंकि हरेक चीज की अपनी रफ्तार होती है, जिस पर आपका नियंत्रण नहीं होता। आपका अतिरिक्त प्रयास उसमें गति नहीं देता। जैसे दफ्तर के लिए बस में बैठने के बाद बार-बार ड्राइवर को ऑफिस पहुंचने का निर्देश देना जरूरी नहीं होता।

पूंजी-बाजार की पकड़ देगी अच्छा रिटर्न

बीएफएसआई यानी बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विस और इंश्योरेंस, ऐसा सेक्टर है जो गतिशील होने के साथ-साथ विविधता भरा है। यहां सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए, एमबीए, एमएफआई/आईआरडीए जैसे सर्टीफिकेटधारियों की अच्छी मांग तो है ही, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फाइनेंशियल प्लानिंग या सीएफपी वालों को भी खासी वरीयता दी जा रही है। रिसर्च में भी अवसरों की कमी नहीं है।

बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में आए सुधार ने इन क्षेत्रों के जानकारों की मांग बढ़ा दी है। यही नहीं, बैंकिंग कंपनियों के आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट्स की तेजी ने आईटी कंपनियों में भी वित्तीय समझ रखने वाले प्रोफेशनल्स की उपस्थिति को अनिवार्य बना दिया है। आईटी और एफएमसीजी की ओर रुख कर रहे छात्र एक बार फिर बीएफएसआई में कैरियर की अच्छी संभावनाएं देखने लगे हैं। बीएफएसआई क्षेत्र में मौजूद व्यापक संभावनाओं को इस बात से समझा जा सकता है कि फिलहाल देश के 40 प्रतिशत लोग ही बैंकिंग सुविधाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। छह लाख से अधिक गांव ऐसे हैं, जहां बैंक अभी तक नहीं पहुंचे हैं और कुल 38 प्रतिशत बैंक शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रही हैं। बैंक और वित्त मामलों के जानकार वीके सूरी के अनुसार 'इसमें दोराय नहीं कि बैंकिंग, वित्त और इंश्योरेंस सुविधाओं में हो रहे विस्तार से ग्रामीण क्षेत्र बहुत दिनों तक अछूते नहीं रहेंगे। दिनोंदिन फैल रहा इनका नेटवर्क टॉप बी-स्कूलों के प्रोफेशनल्स के साथ वित्तीय मामलों की समझ रखने वाले सामान्य कॉमर्स ग्रेजुएट्स और आईआरडीए/एएमएफआई सर्टीफिकेट कोर्स करने वालों युवाओं के लिए भी नौकरियों के अवसर उत्पन्न करेगा। बीएफएसआई एक गतिशील क्षेत्र है। यहां सभी स्तर पर रोजगार के अवसर हैं, बशर्ते आप इंडस्ट्री में आ रहे बदलावों से खुद को अपडेट रखें। एक पेड़ जितना बाहर से बड़ा और मजबूत होता है, उतनी ही उसकी जड़ें भीतर भी फैली होती हैं। इसी कारण इस क्षेत्र में पैठ बनाने के लिए फ्रेशर्स को प्रारंभ में पैसे से अधिक अनुभव और जानकारी अर्जित करने पर फोकस रखना चाहिए।

हायरिंग ट्रेंड्स

बीएफएसआई एक सदाबहार क्षेत्र है, जिनके जानकारों की मांग सभी क्षेत्रों में होती है। इस इंडस्ट्री में काम करने वालों के लिए इतने अधिक अवसरों की उपलब्धता इससे पहले कभी नहीं रही। जॉब मार्केट में भी लचीलापन है और सभी स्तरों पर रोजगार के अवसर हैं। एक अनुमान के अनुसार इस वित्त वर्ष में बीएफएसआई में लगभग 65 हजार से अधिक नई नौकरियों के अवसर उत्पन्न होंगे।

खुद को करें तैयार

सूचना तकनीक की भूमिका बढ़ने से बैंकिंग क्षेत्र में ढांचागत परिवर्तन हो रहे हैं। ग्लोबल बैंकिंग के क्षेत्र में हो रहे विस्तार तथा इंटरनेशनल ट्रेड में बढ़ती भागीदारी इस क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की मांग को बढ़ाएगी। रवि राव कहते हैं, 'भारतीय निर्यात यदि 15 प्रतिशत की सालाना दर से भी बढ़ता है तो विदेशी विनिमय से जुड़े कारोबार में प्रोफेशनल्स की मांग बड़े स्तर पर होगी।' क्रेडिट सेवाओं का दायरा भी लगातार मजबूत हो रहा है। विभिन्न फाइनेंशियल कंपनियां इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड निवेश की योजनाएं पेश कर रही हैं। ब्रोकरेज व कंसल्टिंग फर्मों में पोर्टफोलियो मैनेजरों की मांग और बढ़ेगी।

इन स्किल्स की दरकार

बीएफएसआई, आर्थिक लेन-देन और हिसाब-किताब से जुड़ा क्षेत्र है, इसी कारण यह संवेदनशील भी है। कैरियर काउंसलर के अनुसार 'निवेश सलाह देने वाली कंपनियां बाजार में तेजी से बढ़ रही हैं। इस क्षेत्र में काम करने वालों के लिए वित्त मामलों की समझ होना जरूरी है। लोगों की जरूरत को समझकर उनकी निवेश पूंजी में वृद्धि करने का गुण उम्मीदवार में अवश्य होना चाहिए। इसलिए कॉमर्स ग्रेजुएट्स या पोस्ट ग्रेजुएट्स, बैंकिंग और फाइनेंस में एमबीए, साथ ही एएमएफआई/आईआरडीए जैसा सर्टीफिकेशंस रखने वालों की खासी मांग रहती है।

वर्कप्लेस पर बोलें जरा संभलकर

सहकर्मियों और बॉस को अपना मुरीद बनाना चाहते हैं तो विषय के साथ प्रभावी बातचीत करने के गुर सीखने पर भी जोर दें। वर्कप्लेस पर आपकी बातचीत तनाव का कारण न बने, इसके लिए समय, स्थान और व्यक्ति को ध्यान रखना जरूरी होता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में 'चलता है' एटीट्यूड महंगा पड़ता है।

नितिन एक सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, उन्हें नौकरी करते हुए अभी डेढ़ साल ही बीता है। इस दौरान वे चार प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर अलग-अलग टीमों के साथ काम कर चुके हैं। इस वर्ष उन्हें प्रमोशन भी मिली, साथ में अच्छी परफॉरमेंस के कारण कंपनी ने उन्हें बेस्ट एंप्लॉई की सूची में रखते हुए दो बड़े मॉल्स से पांच-पांच हजार की शॉपिंग के गिफ्ट वाउचर भी दिए। नितिन की इस तरक्की में उनकी तकनीकी समझ के साथ अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स की भी खासी भूमिका रही है। नितिन कहते हैं, 'मेरे अप्रेजल फॉर्म में सीनियर बॉस ने फीडबैक में लिखा कि मैं सीनियर्स व टीम के सदस्यों के साथ शालीनता से पेश आता हूं। नए काम के बारे में मेरी सोच सकारात्मक होती है और अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स के कारण मुझे दूसरे सेंटर्स पर भी क्लाइंट्स से बातचीत के लिए भेजा जा सकता है।' एस्पायर ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट के ईवीपी आलोक जैन कहते हैं, 'वर्कप्लेस पर उम्मीदवार की प्रभावी बातचीत का ढंग दूसरे कर्मचारियों में उम्मीदवार की अच्छी साख बनाता है। स्किल्स से आशय है कि आप दूसरे पक्ष तक बिना किसी उलझन के अपनी बात सही रूप में पहुंचाएं। नियम है कि जैसी आपकी बात होती है, वैसी ही आपको प्रतिक्रिया मिलेगी।' पर्सनैलिटी एन्हैंसर रीता गंगवानी कहती हैं, 'वर्कप्लेस पर प्रभावी कम्युनिकेशन के दो सूत्र हैं। पहला, अपनी बात बोलने के साथ दूसरों की बात को सही ढंग से सुनें। बात को समझने के बाद ही कोई प्रतिक्रिया दें। दूसरा, बात करते समय सही स्थान और समय का ध्यान रखें। कौन सी बात सहकर्मियों के समक्ष बोलनी है, मीटिंग में किस बात को कैसे रखना है आदि। खुले में सीनियर की बात पर कैसी प्रतिक्रिया देनी है, इसे ध्यान रखना जरूरी है। सीनियर की गलत बात पर तुरंत नकारात्मक प्रतिक्रिया न दें। अपनी बात सुझावात्मक ढंग से रखें। यदि बॉस आपसे बहुत खुल कर बातचीत करते हैं तो भी आप अपनी सीमाओं में रहें।' कैरियर काउंसलर जितिन कहते हैं, 'विभाग और टीम के सदस्यों के साथ इंटर्नल तथा कस्टमर और क्लाइंट के साथ एक्सटर्नल कम्युनिकेशन दोनों ही मायने रखते हैं। आईटी, बीपीओ, रिटेल या टूरिज्म जैसे सेवा क्षेत्रों में इंग्लिश कम्युनिकेशन की एक खास भूमिका होती है। आमतौर पर तकनीकी पृष्ठभूमि से जुड़े युवा और शैक्षिक संस्थानों में कम्युनिकेशन पहलू पर महत्व नहीं देते, जो अंततः उम्मीदवार की रोजगार योग्यता को कम कर देता है। यह एक ऐसी जरूरत है, जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। सीनियर के साथ एसएमएस या ई-मेल से बात करते समय अपने लिखे हुए को अच्छी तरह अवश्य पढ़ लेना चाहिए। स्पैलिंग और ग्रामर के साथ अपनी शैली पर भी ध्यान दें।'

हर स्तर पर काम आती है कम्युनिकेशन स्किल

जॉब मार्केट में उतरते ही प्रोफेशनल व्यवहार और बातचीत का ध्यान रखना जरूरी होता है। रिज्यूम और इंटरव्यू में तो रिक्रूटर्स उम्मीदवार की कम्युनिकेशन स्किल्स को परखते ही हैं, काम के दौरान भी कम्युनिकेशन स्किल काफी मायने रखती है। रिज्यूम और इंटरव्यू के दौरान विनम्र और सकारात्मक रुख से बात करें। सीनियर स्तर पर अंग्रेजी का ज्ञान होना जरूरी है। ई-मेल से कम्युनिकेट करते समय उसकी ड्राफ्टिंग कंपनी की कार्य संस्कृति ध्यान में रखकर करें, जैसे वरिष्ठ को नाम से संबोधित कर सकते हैं या नहीं, आदरसूचक शब्दों के तौर पर वहां क्या इस्तेमाल करते हैं आदि। अक्सर फ्रेशर्स सीधे ही बात लिख देते हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास की कमी देखने को मिलती है। बॉस के स्वभाव को ध्यान में रखें। कर्मचारियों की लेखन क्षमता जानने के लिए कंपनियां शुरुआत में उनकी रुचियों या संस्थान को ज्वॉइन करने के उद्देश्य के संबंध में लिखित में नोट लेती हैं, जिससे उम्मीदवारों की वॉकेबुलरी, वाक्य संरचना और संक्षेप में बात प्रस्तुत करने की योग्यता का पता लगाना आसान हो जाता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में चलता है नहीं चलता।

महाराष्ट्र-यूपी सहित कई राज्यों में गिरे पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। आपको बता दे कि मंगलवार को राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं अगर राज्य स्तर पर बात करें तो महाराष्ट्र-यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है लेकिन बिहार सहित कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा भी हुआ है। इसके साथ महाराष्ट्र में भी पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। यहां पेट्रोल के दाम 32 पैसे घटकर 104.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल 29 पैसे घटकर 90.97 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है।

गूगल का एआई सहायक जेमिनी अब भारत में

नई दिल्ली । गूगल का एआई सहायक जेमिनी अब भारत में एंड्रॉयड स्मार्टफोन का उपयोग करने वालों के लिए ऐप के रूप में उपलब्ध है, जो अंग्रेजी, हिंदी और आठ अन्य भारतीय भाषाओं में काम करता है। जेमिनी गूगल एआई द्वारा विकसित जनरेटिव कृत्रिम मेधा वाला चैटबॉट है। इसे पहले बार्ड के नाम से जाना जाता था। जेमिनी एक्सपीरियंस के एक इंजीनियरिंग के ब्लॉग अनुसार आईफोन का उपयोग करने वालों के लिए जेमिनी तक पहुंच अगले कुछ हफ्तों में गूगल ऐप के जरिए शुरू की जाएगी। उन्होंने लिखा कि गूगल की आपकी एआई सहायक जेमिनी का भारत में पहला वर्ष रोमांचक रहा है। छात्रों से लेकर डेवलपर्स और कई अन्य जिज्ञासु लोगों तक भारत में लोग हर रोज अपनी रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए जेमिनी को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, भारत में जेमिनी एडवांस्ड के उपयोगकर्ता अब गूगल के नवीनतम अगली पीढ़ी के एआई (कृत्रिम मेधा) मॉडल, जेमिनी 1.5 प्रो की सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे।

जिंदल स्टेनलेस ने क्रोमनी स्टील्स में 46 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली । जिंदल स्टेनलेस ने क्रोमनी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड (सीएसपीएल) में शेष 46 प्रतिशत हिस्सेदारी 278 करोड़ रुपये में खरीदी है। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने कहा कि इसके बाद सीएसपीएल कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई बन गई है। बयान के अनुसार जिंदल स्टेनलेस ने क्रोमनी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड में शेष 46 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की है। इस लेन-देन में कुल 278 करोड़ रुपये का खर्च शामिल है, जिसमें इक्विटी हस्तांतरण और शेयरधारकों के कर्ज का भुगतान शामिल है। जिंदल स्टेनलेस ने इससे पूर्व 1,340 करोड़ रुपये में अप्रत्यक्ष अधिग्रहण सौदे के जरिये सीएसपीएल में 54 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की थी। सीपीएसएल के कुल अधिग्रहण की लागत जेएसएल के लिए करीब 1,618 करोड़ रुपये बैठती है। जेएसएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि क्रोमनी में 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण से हमें मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

एयर इंडिया महाराष्ट्र में खोलेगी फ्लाइंग स्कूल

- हर साल 180 पायलटों को मिलेगी ट्रेनिंग, जल्द शुरू होगा परिचालन

नई दिल्ली ।

भारत की राष्ट्रीय एयरलाइन एयर इंडिया पायलटों की कमी से निपटने के लिए महाराष्ट्र के अमरावती में एक फ्लाइंग स्कूल खोलने की योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य सालाना 180 पायलटों को प्रशिक्षण देना है। बिना किसी पूर्व उड़ान अनुभव के संभावित पायलट पूर्णकालिक अकादमी में दाखिला ले सकते हैं, जिससे उन्हें प्रशिक्षण के अगले चरणों को पूरा करने के बाद एयर इंडिया के कॉकपिट में शामिल होने का स्पष्ट रास्ता मिल जाएगा। एयर इंडिया अनुभवी और प्रमाणित पायलटों को प्रशिक्षकों के रूप में भर्ती करने की योजना बना रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिले। फ्लाइंग स्कूल में प्रवेश के लिए चयन प्रक्रिया कठोर होगी, जिसमें उम्मीदवारों का मूल्यांकन उनकी शैक्षणिक योग्यता, शारीरिक फिटनेस और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। एयर इंडिया के फ्लाइंग स्कूल से सफल उम्मीदवार न केवल एयर इंडिया के भीतर बल्कि वैश्विक स्तर पर अन्य विमानन कंपनियों में भी करियर बनाने के लिए अच्छी तरह से तैयार होंगे। इस पहल का उद्देश्य विमानन उद्योग में कुशल पायलटों की बढ़ती मांग को पूरा करना और भारत में इस क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देना है। एयर इंडिया के इस कदम से न केवल विमानन क्षेत्र में नई उम्मीदें बढ़ेंगी, बल्कि भारतीय युवाओं को विमानन क्षेत्र में उनके सपनों को पूरा करने का एक और माध्यम मिलेगा। इस स्कूल के माध्यम से एयर इंडिया ने अपने तकनीकी और प्राधिकरण के लिए एक मजबूत प्लेटफ़ॉर्म बनाने का उद्देश्य रखा है।

हुडको ने विदेशी ऋणदाताओं से 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए

मुंबईः

आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) ने ऋण बाजार में कदम रखते हुए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर (30 अरब जापानी येन) जुटाए हैं। इसकी व्यवस्था करने वाली जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था ने अपने पहले ''सामाजिक ऋण'' के हिस्से के रूप में पांच साल के लिए यह धनराशि जुटाई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, एसएमबीसी की सिंगापुर शाखा के नेतृत्व में हुए इस सौदे को कुल नौ ऋणदाताओं से अधिक अभिदान मिला तथा ग्रीनशू विकल्प का इस्तेमाल करने के बाद इसकी मूल आरंभिक राशि 15 अरब येन से बढ़ाकर 30 अरब येन कर दी गई। एसएमबीसी इंडिया के 'कंट्री हेड' हिरोयुकी मेसाकी ने कहा, ''हम वंचित समुदायों तक अपनी पहुंच बढ़ाने तथा स्थानीय समुदाय की संसाधनों तक पहुंच को मजबूत बनाने के लिए तत्पर हैं।'' हुडको के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजय कुलश्रेष्ठ ने कहा कि सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे पर आधारित वृद्धि पर ध्यान दिए जाने से संस्था को अपनी सेवाओं की मांग में वृद्धि की उम्मीद है।

नेस्ले की मैगी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार, किटकैट के लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार

नई दिल्ली :

भारत नेस्ले के इंस्टैंट नूडल्स व सूप ब्रांड मैगी के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा बाजार बन गया है, जबकि चॉकलेट वेफर ब्रांड किटकैट के लिए यह दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। नेस्ले इंडिया की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसके अलावा, उच्च दोहरे अंक की वृद्धि के साथ भारतीय बाजार नेस्ले के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बन गया है। नेस्ले इंडिया की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, ''व्यापकता, प्रीमियमीकरण और नवाचार, अनुशासित संसाधन आवंटन के साथ मिलकर कारोबार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहे हैं।'' नेस्ले मैगी ब्रांड के तहत लोकप्रिय इंस्टेंट नूडल्स और तैयार व्यंजन आदि बेचती है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में मैगी की छह अरब से अधिक सर्विंग्स बेचीं, जिससे ''भारत दुनियाभर में मैगी के लिए सबसे बड़ा नेस्ले बाजार बन गया।'' नेस्ले मैगी ब्रांड के तहत अपनी बिक्री का विस्तार कर रही है और उसने 10 रुपए की किफायती कीमत पर ओट्स नूडल, कोरियन नूडल्स और अलग-अलग मसाले वाली मैगी व नूडल्स पेश किए हैं। नेस्ले इंडिया ने कहा कि उसने किटकैट की 4,20 करोड़ 'फिंगर्स' बेचीं। नए उत्पादों को पेश करने, वितरण नेटवर्क के विस्तार और अभिनव ब्रांड से वृद्धि को बढ़ावा मिला। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने रिपोर्ट में शेयरधारकों से कहा, ''इसे और मजबूत करते हुए आपकी कंपनी 2020 और 2025 के बीच नई क्षमताओं को विकसित करने और मौजूदा क्षमताओं का विस्तार करने के लिए करीब 7,500 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार है, जिसमें निरंतर वृद्धि और नवोन्मेषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।' नेस्ले इंडिया ने 31 मार्च, 2024 तक के पिछले 15 माह में 24,275.5 करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की है।

शेयर बाजार रिकार्ड स्तर पर बंद

सेंसेक्स 77 हजार , निफ़्टी 23 हजार से ऊपर निकला

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। तकनीकी कंपनी और निजी बैंकों के शेयरों में भी बढ़त रही। इसके अलावा घरेलू निवेशकों के सराकात्मक रुख से भी बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 0.40 फीसदी करीब 308.37 अंक ऊपर आकर 77,301.14 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 92.30 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी बढ़कर 23,557.90 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड का शेयर सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके साथ ही विप्रो, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्राएंडमहिंद्रा, एक्सिस बैंक, एचडीएफ़सी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी बढ़े।

वहीं दूसरी ओर मारुति के शेयर 2.14 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। मारुति के अलावा टाटा स्टील, अल्ट्रा सीमेंट, टाटा मोटर्स, आईटीसी, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट के शेयर भी गिरे।

घरेलू निवेशकों ने जून में अब तक 178.29 अरब रुपये के शेयर खरीदे हैं। इससे बाजार चुनाव परिणामों के बाद आई गिरावट से भी उबरा है। इसके अलावा आईटी कंपनियों और निजी बैंक के शेयरों में वृद्धि से भी शेयर बाजार को बल मिला है।

वहीं विदेशी बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का सियोल, जापान टोक्यो और चीन का शंघाई लाभ में बंद हुए जबकि हांगकांग का बाजार भी नीचे आया है। यूरोपीय बाजार फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे जबकि सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

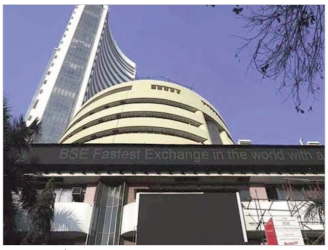

इससे पहले आज सुबह इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में इक्विटी बाजारों ने नए रिकॉर्ड उच्च स्तर बनाए। बीएसई सेंसेक्स 77,327 के नये उच्चतम स्तर पर पहुंचा जबकि निफ्टी50 ने 23,500 के स्तर को पार करते हुए 23,574 के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर आया। सेंसेक्स ने अपने पिछले 77,145 के रिकॉर्ड उच्च स्तर को पार कर लिया, जबकि निफ्टी ने 23,490.40 को पार कर लिया। व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 0.34 फीसदी और 1 फीसदी अधिक कारोबार करते दिखे।

एक ही दिन में जेफ बेजोस को पछाड़ नंबर वन बने मस्क

– नए सप्ताह के पहले दिन ही मस्क की नेटवर्थ में 6.74 अरब डॉलर की तेजी आई

वाशिंगटन ।

एलन मस्क और जेफ बेजोस के बीच दुनिया का सबसे बड़ा रईस बनने की होड़ चल रही है। तीन दिन में नंबर एक की कुर्सी कभी मस्क तो कभी बेजोस के पास जा रही है। गुरुवार को मस्क नंबर वन बने थे तो शुक्रवार को बेजोस नंबर एक हो गए। नए हफ्ते के पहले दिन फिर मस्क ने बाजी मार ली। टेस्ला के शेयरों में 5.30 फीसदी तेजी के साथ ही मस्क फिर से नंबर वन हो गए। एक` रिपोर्ट के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ में सोमवार को 6.74 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 210 अरब डॉलर के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस बन गए। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 207 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। मस्क की नेटवर्थ में इस साल 18.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है जबकि बेजोस की नेटवर्थ 29.7 अरब डॉलर बढ़ी है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पेशे से इंजीनियर मस्क टेस्ला के साथ-साथ कई और कंपनियां भी चलाते हैं। इनमें माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (पहले नाम ट्विटर), स्पेसएक्स और सोलरसिटी शामिल हैं। टेस्ला दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। इसका मार्केट कैप 597.78 अरब डॉलर है और यह दुनिया की 13वीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। फ्रांस के अरबपति बर्नार्ड अरनॉल्ट 200 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 2.03 अरब डॉलर की तेजी आई। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ 7.13 अरब डॉलर घटी है। दुनिया के टॉप 12 अरबपतियों में 11 अमेरिका के हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा

प्लेटफॉर्म्स के मार्क जकरबर्ग 180 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे नंबर पर हैं। लैरी पेज, बिल गेट्स छठे, स्टीव बालमर सातवें, लैरी एलिसन आठवें, सर्गेई ब्रिन नौवें और वॉरेन बफे दसवें नंबर पर हैं। माइकल डेल 11वें और जेंसन हुआंग 12नें नंबर पर हैं। हुआंग की नेटवर्थ में इस साल सबसे ज्यादा 71.1 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इस लिस्ट में भारत के मुकेश अंबानी 13वें और गौतम अडानी 14वें नंबर पर हैं।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स शेयरधारकों को देगी 6.52 करोड़ डॉलर का लाभांश

सोल ।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा है कि वह मंगलवार को अपने शेयरधारकों को 90 अरब वॉन (लगभग 6.52 करोड़ डॉलर) का लाभांश देने पर विचार कर रही है। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में बताया कि शेयरधारकों को 30 जून को प्रति शेयर 500 वॉन मिलेंगे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह लाभांश भुगतान एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की नई शेयरधारक रिटर्न नीति का हिस्सा है, जिसमें साल में दो बार लाभांश देना और लाभांश भुगतान अनुपात को 25 फीसदी तक बढ़ाना शामिल है। एलजी ने पिछले साल हर सामान्य शेयर पर 800 वॉन और पर प्रेफरेंशियल शेयर पर 850 वॉन का लाभांश दिया था। साल की पहली तिमाही में बढ़ती लागत और तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण कंपनी का परिचालन लाभ एक साल पहले की तुलना में 10 प्रतिशत से अधिक गिर गया। कंपनी ने कहा कि उसका पहली तिमाही का परिचालन लाभ 1.33 ट्रिलियन वॉन (लगभग 98.49 करोड़ डॉलर) रहा, जो एक साल पहले के 1.5 ट्रिलियन वॉन से 11 प्रतिशत कम है। बिक्री में सालाना आधार पर 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 21.09 ट्रिलियन वॉन हो गई, जो किसी भी पहली तिमाही में कंपनी का रिकॉर्ड है। कंपनी ने वास्ते विक आय के आंकड़े नहीं बताये हैं।

फिच ने भारत का वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी किया

नई दिल्ली ।

फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी किया है। मार्च में उसने भारत की वृद्धि दर का सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। रेटिंग एजेंसी ने उपभोक्ता खर्च में सुधार और निवेश में वृद्धि का हवाला देते हुए अनुमान में संशोधन किया। वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए फिच ने क्रमशः 6.5 और 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। फिच ने अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि होगी। फिच का अनुमान आरबीआई के अनुमान के अनुरूप है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि ग्रामीण मांग में सुधार और मुद्रास्फीति में नरमी से चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निवेश में वृद्धि जारी रहेगी, लेकिन हाल की तिमाहियों की तुलना में यह वृद्धि धीमी रहेगी, जबकि उपभोक्ता विश्वास बढ़ने के साथ उपभोक्ता खर्च में सुधार होगा। क्रय प्रबंधकों के सर्वेक्षण के आंकड़े चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में निरंतर वृद्धि की ओर इशारा करते हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि आने वाले मानसून के मौसम के सामान्य रहने के संकेत वृद्धि को बढ़ावा देंगे और

मुद्रास्फीति को कम अस्थिर बनाएंगे। हालांकि हाल ही में भीषण गर्मी ने खतरा उत्पन्न किया है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत बढ़ी थी।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत से आमों के आयात की अनुमति दीः एपीडा अधिकारी

जोहानिसबर्ग ।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत से आम के आयात की अनुमति दे दी है। भारतीय कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के एक अे धिकारी ने पिछले सप्ताह यहां भारतीय वाणिज्य दूतावास में आयोजित भारत आम उत्सव 2024 कार्यक्रम में यह घोषणा की। स्थानीय व्यापारियों और मीडिया से उन्होंने कहा` कि हमें पिछले वर्ष आमों के लिए बाजार तक पहुंच प्राप्त हुई थी और अब हमने गुजरात से भारत के लिए 1.5 मीट्रिक टन आमों को रवाना किया है। कार्यक्रम में आए मेहमानों को इस अवसर के लिए विशेष रूप से मंगाई गई भारतीय आमों की कई किस्मों को चखने का मौका मिला, जैसे आमों का राजा कहा जाने वाला अल्फांसो और तोतापुरी, राजापुरी, बादामी, केसर तथा नीलम। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में आमों का सबसे बड़ा उत्पादक है, जो वैश्विक उत्पादन का 50 प्रतिशत उत्पादन करता है। दक्षिण अफ्रीका में विश्व के आमों का 17 प्रतिशत उत्पादन

होता है। उन्होंने व्यापारियों से भारतीय आमों के आयात और दक्षिण अफ्रीका में उन्हें लोकप्रिय बनाने में सहायता करने की अपील की। उन्होंने बताया` कि दक्षिण अफ्रीकी सरकार से अनुमति प्राप्त करना मुश्किल था। एक समय ऐसा भी आया जब विश्लेषण करना पड़ा, क्योंकि ये आम विकिरण उपचार के बाद आते हैं।

पिछले एक हफ्ते में सब्जियों की कीमतें तेजी से बढ़ीं

नई दिल्ली ।

एनसीआर सहित उत्तर भारत में इस समय भीषण गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। भीषण गर्मी की मार अब फल-सब्जियों की कीमतों पर भी देखी जा रही है। जिससे पिछले एक हफ्ते में कई सब्जियों के दाम डबल हो गए हैं। आजादपुर मंडी में व्यापारियों का कहना है कि गर्मी के कारण सब्जियों का उत्पादन कम हो गया है। जो उपज रहा है, वह खेतों से मंडियों में नहीं पहुंच रही हैं। बढ़ते तापमान के कारण अधिकांश खेतों में सब्जियों की फसल बर्बाद हो रही है, जिससे आवक पर असर पड़ा है।

भीषण तपिश और हीट वेव में आप ही नहीं, खेतों में हरी सब्जियों के पौधे भी जल रहे हैं। एक किसान बताते हैं कि हैं कि इस मौसम में चाहे कितना भी पानी दें, लौकी-घीया के बेल जल रहे हैं। भिंडी-टमाटर का पौधा भी झुलस सा गया है। एक तरफ तापमान और तेज धूप की वजह से खेतों में ही हरी सब्जियां के पौधे सूख रहे हैं। जो कुछ सब्जी मंडी तक पहुंच जाती है, वे भीषण गर्मी की वजह से खराब हो रही हैं। टमाटर, घीया, तोरई की फसल नष्ट हो गई है, जिसका असर अब बाजारों पर 50 फीसदी तक दामों में उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले हफ्ते टमाटर के दाम 25 से 30 रुपये किलो था, वह 40 से 45 रुपये किलो पहुंच गए हैं। शिमला मिर्च 100 रुपये किलो, नींबू पहले जो 80 से 100 रुपये किलो का बिक रहा था, वह अब 160 रुपये किलो तक पहुंच गया है। ऐसा ही हाल फलों का भी है। सेब, आम, अनार, पपीता, तरबूज, खरबूजा, मौसमी, नारियल पानी जैसे फलों के भाव में 25 से 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

एलआईसी अपनी संपत्तियों को बेचकर जुटाएगी 60 हजार करोड़

- मेट्रो शहरों में बेच सकती है महंगी इमारतें

नई दिल्ली ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने कहा है कि वह देश के मेट्रो शहरों में स्थित अपनी रियल एस्टेट सम्पत्तियों को बेचने की योजना बना रही है। इसके लिए कंपनी अपने प्लॉट और कमर्शियल इमारतों को बेचेगी। इसके लिए एलआईसी ने एक इंटरनल टीम को निर्देश दिया है। जानकारी के मुताबिक एलआईसी प्रक्रिया मुंबई में अपनी संपत्तियों की बिक्री से शुरू करेगी। अगर एलआईसी की कुछ बहुमूल्य सम्पत्तियों की बात करें तो इनमें दिल्ली के कनाट प्लेस स्थित जीवन भारती बिल्डिंग, कोलकाता के चितरंजन एवेन्यू स्थित एलआईसी बिल्डिंग और मुंबई के एशियाटिक सोसाइटी और अकबररैली में हाउसिंग प्रॉपर्टी शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अंतिम वैल्यूएशन के दौरान इन संपत्तियों का कुल मूल्य 50-60 हजार करोड़ के बीच बताया गया है। इसके साथ ही एलआईसी देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस प्रदाता और स्टॉक मार्केट में सबसे ज्यादा निवेश करने वाली कंपनी है। सार्वजनिक क्षेत्र की इस इंश्योरेंस कंपनी के पास 51 ट्रिलियन रुपये (51 लाख करोड़) की संपत्तियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बिक्री की प्रक्रिया को शुरू करने से पहले कंपनी अपनी संपत्तियों का मूल्यांकन शुरू कर सकती है। एलआईसी ने अपनी कई संपत्तियों का मूल्यांकन नहीं किया है और संभावना जताई जा रही है कि इन संपत्तियों का मूल्यांकन उनकी असली कीमत से पांच गुना अधिक कीमत पर हो सकता है जो कि 2.5-3 लाख करोड़ रुपये के आस-पास होगा। बता दें कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एलआईसी का मुनाफा 40,676 करोड़ रुपये रहा। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी भारत में जमीनों का मालिकाना हक रखने के मामले में तीसरे स्थान पर है। इस मामले में भारतीय रेलवे दूसरे स्थान पर है। एलआईसी अपनी संपत्तियों के प्रबंधन और बिक्री के लिए एक नई इकाई का गठन भी कर सकती है।

दक्षिण अफ्रीका पर अजेय बढ़त बनाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

बेंगलुरु (एजेंसी)। पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाने की कोशिश करेगी। भारत ने पहले मैच में 143 रन से जीत दर्ज की लेकिन टीम कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर चिंतित होगी।

भारत ने पहला मैच स्मृति मंधाना के शतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जीता। बल्लेबाजी में हालांकि उसकी कुछ कमजोरियां खुलकर सामने आई। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का वनडे में लगातार खराब प्रदर्शन है। उन्होंने वनडे में अपना आखिरी अर्धशतक 2022 में लगाया था। पिछले छह मैच में वह दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाई। उन्हें टीम ने अपनी जगह बनाए रखने के लिए बड़ी पारी खेलने की जरूरत है।

कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला भी नहीं चल पा रहा है। पिछले 5 मैच में उन्होंने 14, 9, 5, 3 और 10 रन बनाए। चोट से उबर कर वापसी करने वाली शीर्ष क्रम की एक अन्य बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स भी प्रभावित करने में नाकाम रही। इन सभी को मंधाना से सीख लेने की जरूरत है जिन्होंने वनडे में छठा शतक लगाया। यह बाएं हाथ की बल्लेबाज अच्छी लय में है। उन्होंने फरवरी 2022 के बाद वनडे में सात अर्धशतक और दो शतक लगाए हैं। भारतीय टीम को उनसे एक और बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

गेंदबाजों में अपना पहला मैच खेल रही लेग स्पिनर आशा शोभना ने 21 रन देकर चार विकेट लिए लेकिन टीम प्रबंधन तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर की फिटनेस को लेकर चिंतित होगा जो दक्षिण अफ्रीका की पारी के दौरान 18वें ओवर में मैदान छोड़कर चली गई थी। उनके नहीं खेलने पर अरुंधति रेड्डी को टीम में लिया जा सकता है। जहां तक दक्षिण अफ्रीका

का सवाल है तो अगर उसे श्रृंखला जीवंत रखती है तो उसके बल्लेबाजों को भारतीय स्पिनरों का डटकर सामना करना होगा। पिछले मैच में भारतीय स्पिनरों आशा, दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने मिलकर सात विकेट लिए थे।

टीम

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, साइका इशाक, पूजा वस्त्रकार, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पुनिया।

दक्षिण अफ्रीका - लॉरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मिके डी रिडर, सिनालो जाफ्ता, मारिजाने काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, एलिज-मारी मार्ज, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुकुने, नोंडुमिसो शंगासे, डेलमी टकर।

सुपर आठ मुकाबलों से पहले तरोताजा होने वॉलीबाल खेलते दिखे भारतीय खिलाड़ी

बारबडोस (एजेंसी)। भारतीय टीम अब टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ मुकाबलों में उतरने के लिए तैयार है। भारतीय टीम ने लीग मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वह उत्साहित है। भारतीय टीम को सुपर आठ में अपना पहला मुकाबला 20 जून को अफगानिस्?तान से खेलना है। इससे पहले भारतीय टीम के खिलाफ तरोताजा होने के लिए बीच पर वॉलीबाल खेलते हुए दिखे। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी डाला है।

टीम इंडिया को अफगानिस्?तान के खिलाफ पहले सुपर-8 मैच के बाद 22 जून को बांग्?लादेश के खिलाफ खेलना है। इसके बाद उसे अपने अंतिम मैच में 24 जून को ऑस्?ट्रेलिया से खेलना होगा। सुपर-8 में चार-चार टीमों के दो ग्रुप बनाए गए हैं। कम से कम तीन में से दो मैच जीतने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। हर ग्रुप से दो टीमें अगले दौर में पहुंचेंगी।

भारतीय टीम सुपर-8 के लिए पहले अपनी अंतिम ग्यारह में कोई बदलाव करना नहीं चाहेंगी हालांकि विराट कोहली की फॉर्म को लेकर चिंता बनी हुई है। विराट लीग स्तर में विफल रहे थे। वहीं बल्लेबाजी कोच विक्रम राठोड़ का कहना है कि नेट्स में विराट पूरी तरह से फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उनके बल्?ले से रन नहीं आना फिलहाल कोई चिंता की बात नहीं है। अब तक भारतीय टीम इस विश्वकप में बड़ा स्कोर नहीं बना पायी है। ऐसे में उसका लक्ष्य सुपर-आठ में बड़े स्कोर बनाना रहेगा।

कीवी गेंदबाज फर्ग्यूसन ने रचा इतिहास, चार ओवर में बिना कोई रन दिये चार विकेट लिए

फ्लोरिडा (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने पापुआ न्यूगिनी के खिलाफ एक ऐसा रिकार्ड बनाया है। जिससे तोड़ना किसी भी गेंदबाज के लिए संभव नजर नहीं आता है। इस मैच पापुआ न्यूगिनी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 78 रनों पर ही सिमट गयी थी। इस मैच में फर्ग्यूसन ने अपने चार ओवर में एक भी रन नहीं देते हुए तीन विकेट लिए। पारी के 4.1 ओवर में फुर्ग्युसन ने पीएनजी के कप्तान असद वाला को डेरेल मिचेल के हाथों कैच करवाया। इसके बाद 11.2 ओवर में चार्ल्स अमिनी को एलबीडब्लयू किया और 13.2 ओवर में चाद सोफर को बोल्ड कर तीसरा विकेट लिया। यह टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन है। इससे पहले टी20 क्रिकेट में सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब किसी गेंदबाज ने 4 ओवर मेडन डाले हैं। साल 2021 में पनामा के खिलाफ कनाडा के साद बिन जफर ने 4 ओवर मेडन डालकर 2 विकेट लिए थे।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज मंधाना ने घरेलू मैदान पर अपना पहला शतक जड़ते हुए 117 रन की मैच विजयी पारी खेली और तीन मैचों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की 143 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। मंधना के 715 अंक हैं और वह श्रीलंका की चामरी अटापट्टू से पीछे हैं जिन्होंने इंग्लैंड की नताली स्काइवर-

ब्रंट को अपनी नंबर एक रैंकिंग गंवा दी थी। इंग्लैंड की ऑलराउंडर स्काइवर-ब्रंट ने पिछले महीने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 124 रन की शानदार पारी खेलकर अपना नंबर एक स्थान फिर हासिल किया। भारत की सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा तीन पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गई है जबकि पूजा वस्त्राकर तीन पायदान ऊपर 38वें स्थान पर हैं। ऑलराउंडरों की सूची में वस्त्राकर ने सबसे लंबी छलांग लगाई है। यह 24 वर्षीय खिलाड़ी चार पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी खिलाड़ी मारिजाने कैप एकदिवसीय ऑलराउंडर की रैंकिंग में नंबर एक पर बनी हुई हैं। एकदिवसीय गेंदबाजी सूची में दीप्ति ने श्रृंखला के पहले मैच में 10 रन पर दो विकेट चटकाकर एक स्थान का सुधार करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने शीर्ष पर अपनी मजबूत बढ़त बनाए रखी है।

विंबलडन चैंपियन वोंद्रोसोवा ने जीत के साथ की ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत

बर्लिन - विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने अपने ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत बर्लिन लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर रेबेका मसारोवा के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ की। पांचवीं वरीय वोंद्रोसोवा ने रेबेका को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वोंद्रोसोवा ने तीन बार रेबेका की सर्विस तोड़ी और फोरहैंड विनर लगाकर जीत हासिल की। चेक गणराज्य की वोंद्रोसोवा ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में भी स्पेन की इस खिलाड़ी को हराया था। वोंद्रोसोवा दूसरे दौर में अन्ना केलिन्सकाया से भिड़ेंगी। पिछले साल वोंद्रोसोवा विंबलडन खिताब जीतने वाली पहली गैरवरीय महिला खिलाड़ी बनीं थी। उन्होंने फाइनल में 2022 की उप विजेता ओन्स जेब्युर को 6-4, 6-4 से हराया था।

चावला ने कहा, अभी का भारतीय गेंदबाजी आक्रमण है सर्वश्रेष्ठ

नई दिल्ली । टी20 विश्वकप में इस बार भारतीय टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। जसप्रीत बुमराह से लेकर अर्शदीप सिंह तक सभी ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। पाकिस्तान के खिलाफ इसी कारण टीम 119 रनों के स्कोर का बचाव करने में सफल रही। इसी को लेकर पूर्व स्पिनर पीयूष चावला ने कहा है कि ये भारत का सर्वकालिक महानतम गेंदबाजी आक्रमण है। उन्होंने कहा कि कि हाल के कुछ साल में भारत का गेंदबाजी आक्रमण विश्व में शीर्ष पर पहुंच गया है। चावल के अनुसार जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या जैसे तेज गेंदबाजों के अलावा टीम के पास स्पिनर कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल और अक्षर पटेल हैं। टी20 विश्व कप इसी कारण भारतीय गेंदबाजों ने कम स्कोर वाले मुकाबलों में भी जीत हासिल की है। चावला ने कहा, पिछले कुछ सालों से भारत का गेंदबाजी आक्रमण वास्तव में बदल गया है। अब हमारे पास दुनिया की सबसे पूर्ण और घातक गेंदबाजी इकाइयों में से एक है, जिसने टीम को संतुलन मिलता है इससे बल्लेबाजों को अपना स्वाभाविक खेल खेलने की अधिक आजादी मिली है।

रोहित, विराट सुपर आठ और आगे बेहतर प्रदर्शन करेंगे तो पिछला खराब प्रदर्शन प्रशंसक भूल जाएंगे : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि अगर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सुपर आठ और आगे के मैचों में बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो लीग चरण में इनके खराब प्रदर्शन को लोग भूल जाएंगे। मांजरेकर के अनुसार रोहित टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल या फाइनल जैसे बड़े मैचों में निर्णायक पारी खेलते हैं तो ग्रुप चरण में उनका प्रदर्शन अधिक मायने नहीं रखेगा। विराट ने टूर्नामेंट में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उनमें वह पांच रन ही बना पाये हैं। रोहित ने आयरलैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाया पर पाकिस्तान और अमेरिका के खिलाफ वह रन नहीं बना पाये। मांजरेकर ने कहा, 'अगर आपने रोहित और विराट जैसे खिलाड़ियों का चयन किया है, तो आपने अनुभव को प्राथमिकता दी है। आप अपने अनुभवी खिलाड़ियों को विश्व कप में ले जाना चाहते हैं, जिससे वे तब अच्छा प्रदर्शन करें, जब वास्तव में इसकी सबसे अधिक जरूरत हो। उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे इसको लेकर कोई परेशानी नहीं है कि इनमें से कुछ खिलाड़ी लय में नहीं हैं। अगर यह खिलाड़ी सेमीफाइनल या फाइनल में निर्णायक पारी खेलकर टीम को विजेता बनाते हैं तो आपके सीनियर खिलाड़ियों से इसी तरह के प्रदर्शन की अपेक्षा की जाती है। साथ ही कहा, 'अगर आपका कोई युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो वह आपके लिए बोनस है हालांकि सीनियर खिलाड़ियों को अधिक योगदान देना चाहिए और मुझे लगता है कि यही वजह है कि चयन समिति ने टी20 विश्व कप के लिए अनुभव को प्राथमिकता दी। वहीं युवा शिवम दुबे ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में जगह बनाई लेकिन वह विश्व कप में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मांजरेकर को अब भी शिवम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमें इसके लिए इंतजार करना होगा कि शिवम ने आईपीएल में जिस तरह से स्पिनरों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। वह उस प्रदर्शन को दोहरा पाते हैं या नहीं।

भारतीय टीम को सुपर आठ में बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर से रहना होगा सतर्क

एंटीगा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अभी टी20 विश्वकप के सुपर आठ की तैयारियों में लगी है। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबल 20 जून को अफगानिस्तान और 22 जून को बांग्लादेश और 24 जून को ऑस्ट्रेलिया से होना है। सुपर आठ में भारतीय टीम के सभी मुकाबले वेस्?टइंडीज में खेले जाएंगे। इसमें भारतीय टीम को रोहित शर्मा एंड कंपनी के मुकाबले अफगानिस्?तान, बांग्?लादेश और ऑस्?ट्रेलिया से है। सुपर आठ में सभी टीमों से उसे सावधान रहना होगा क्योंकि यहां तक पहुंची अफगानिस्तान भी कमजोर नहीं मानी जा सकती है। भी

भारतीय टीम को विशेष रुप से बांग्?लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान से सतर्क रहना होगा। रहमान आजकर

जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह विरोधी टीमों के बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बनते नजर आ रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को रहमान के खिलाफ अलग रणनीति बनानी होगी। रहमान ने श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान अपने चार ओवरों में महज 17 रन दिए थे और तीन अहम बल्लेबाजों को आउट किया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुस्?ताफिजुर ने अपने चार ओवरों में महज 18 रन ही दिए हालांकि वो विकेट नहीं ले पाये थे। फिर नीदरलैंड्स के खिलाफ मुस्?ताफिजुर ने चार ओवरों में एक विकेट लेकर महज 12 रन दिए।

वैसे आंकड़ों पर नजर डालें तो मुस्?ताफिजुर का टी20 में भारत के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। उन्?होंने कुल 9 मैचों में भारत से खेला है और इस दौरान वो केवल चार विकेट ही ले पाये हैं। . मुस्?ताफिजुर की इकोनॉमी भी खास अच्?छा नहीं रहा है. उन्?होंने इस दौरान करीब नौ की इकोनॉमी से रन दिये हालांकि टी20 में नौ की इकनोमी को औसत माना जाता है हालांकि अभी टी20 विश्वक कप में वह चार मैचों में सात विकेट ले चुके हैं।

विश्वकप खेलने से पहले नेत्रवलकर ने देर रात जागकर पूरे किये थे प्रोजेक्ट

फ्लोरिडा। भारतीय मूल के अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने इस विश्वकप में अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है। नेत्रवलकर के शानदार प्रदर्शन के कारण ही पहली बार टी20 विश्व कप खेल रही अमेरिकी टीम सुपर आठ में पहुंची है। नेत्रवलकर की गेंदबाजी के आगे विराट , रोहित के अलावा कई दिग्गज बल्लेबाज विफल रहे हैं। सौरव के लिए हालांकि विश्वकप में खेलना आसान नहीं रहा। इसका करण है कि वह एक साफ्टवेयर इंजीनियर भी हैं। ऐसे में उन्हें विश्वकप से पहले देर रात तक काम करना पड़ा। इसके बाद ही उन्हें विश्वकप खेलने के लिए छुट्टी मिल पायी। इस क्रिकेटर ने कहा, हर प्रोजेक्ट की एक डेडलाइन होती है, इसलिए वहां भी काम का दबाव रहता है, कई बार ऐसा हुआ है जब मैंने देर रात में काम किया है। मुझे अपना क्रिकेट कार्यक्रम पता है, इसलिए मैं अपने मैनेजर के साथ मिलकर उसी हिसाब से योजना बनाता हूं। मैंने विश्व कप के लिए टीम में आने से पहले अपना काम पूरा कर लिया था। जब हमनें सुपर 8 के लिए क्वालीफाई किया तो मैंने अपने ऑफिस में बताया कि मैं कुछ दिन छुट्टियों पर ही रहूंगा। अब मेरा पूरा ऑफिस मेरा खेल देख रहा है और मेरा सहयोग कर रहा है। नेत्रवलकर का 2024 में नेटवर्थ लगभग 1-2 मिलियन डॉलर के आसपास है। इसमें उनका वेतन , विज्ञापन, अनुबंध और निवेश शामिल है।

गौतम गंभीर भारतीय टीम के हेड कोच बनने के करीब, इंटरव्यू का पहला राउंड किया पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने सोमवार को भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच पद के लिए अपना इंटरव्यू दिया। वहीं ताजा रिपोर्ट्के अनुसार क्रिकेट सलाहकार समिती ने गंभीर का इंटरव्यू लिया। जिसका अगला राउंड अब बुधवार को होगा।

बता दें कि, ये इंटरव्यू साक्षात्कार 'जूम कॉल' पर हुआ जिसमें गंभीर और अशोक मल्होत्रा दोनों ऑनलाइन शामिल हुए। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि, हां, गंभीर सीएसी के साथ इंटरव्यू के लिए उपस्थित हुए। आज एक दौर की चर्चा हुई। कल एक और दौर होने की उम्मीद है।'' माना जा रहा है कि गंभीर एकमात्र उम्मीदवार हैं जो दावेदारी में हैं और उनके नाम की घोषणा महज औपचारिकता है जो अगले 48 घंटों में हो सकती है।

हालांकि, सीएसी के अध्यक्ष मल्होत्रा और उनके सहयोगियों जतिन परांजपे और सुलक्षणा नाइक के साथ गंभीर की बातचीत के बारे में तुरंत पता नहीं चल पाया है। परांजपे और सुलक्षणा दोनों मुंबई में रहते हैं। माना जा रहा है कि चर्चा अगले तीन वर्षों के लिए गंभीर की रणनीति पर केंद्रित थी जिस दौरान विभिन्न प्रारूपों में तीन आईसीसी टूर्नामेंट होने हैं। मंगलवार शाम को शीर्ष परिषद की बैठक है और समझा जाता है कि सचिव जय शाह अंतिम घोषणा से पहले कोच चयन प्रक्रिया के बारे में सदस्यों को अवगत कराएंगे।

सीएसी उत्तर क्षेत्र से चयनकर्ता पद के लिए कुछ इच्छुक उम्मीदवारों का साक्षात्कार भी ले रही है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज 42 वर्षीय गंभीर ने हाल ही में कोलकाता नाइट राइडर्स को टीम के मेंटर (मार्गदर्शक)

के रूप में आईपीएल ट्रॉफी दिलाई थी। मौजूदा भारतीय कोच राहुल द्रविड़ अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे मौजूदा टी20 विश्व कप में टीम का अभियान खत्म होने के बाद पद छोड़ देंगे। ग्रुप लीग चरण में अजेय रहने के बाद टीम फिलहाल सुपर आठ मुकाबले के लिए बारबडोस में है। टीम 20 जून को अफगानिस्तान से खेलेगी।

टीम से बाहर रहने पर शर्मिला ने कहा, वह मुश्किल समय था लेकिन मैं मानसिक रूप मजबूत रही

नई दिल्ली। युवा फारवर्ड शर्मिला देवी का मानना ??है कि खुद को बेहतर बनाने की चाहत ने उन्हें भारतीय महिला हॉकी टीम में वापसी करने में मदद की और वह अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगी। हरियाणा की इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल फरवरी में चीन के खिलाफ एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच के साथ करीब नौ महीने बाद भारतीय टीम में वापसी की। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में शर्मिला के हवाले से कहा गया, ''यह आसान नहीं था। मुझे करीब नौ महीने तक राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला।'' उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला (मई 2023) के बाद मुझे फरवरी 2024 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला लेकिन मैं एशियाई खेलों और ओलंपिक क्वालीफायर से चूक गई। वह मुश्किल समय था लेकिन मैं मानसिक रूप से मजबूत रही और कड़ी ट्रेनिंग करते हुए धैर्यपूर्वक अपने मौके का इंतजार किया।'' शर्मिला ने कहा ''मैंने दिन-रात अपने खेल पर काम किया। मैं इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थी कि वापसी का यही एकमात्र रास्ता है और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। फारवर्ड के रूप में अपने कौशल पर काम करने के अलावा मैंने रक्षात्मक पहलुओं पर भी काम किया।'' जब भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के अपने पहले मैच में चीन का सामना किया तो शर्मिला को आखिरकार मैदान पर उतरने का मौका मिला। उन्होंने कहा, ''मैं एक बार फिर भारतीय जर्सी पहनकर बहुत उत्साहित थी। यह मेरे द्वारा की गई मेहनत का इनाम था। अगर हम वह मैच जीत जाते तो मुझे बहुत खुशी होती लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो सका।

फ्लेमिंग बोले- सुपर 8 में भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं कुलदीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 विश्व कप के सुपर 8 के चरण में वेस्टइंडीज की पिचों से टर्न मिलने की संभावना है और ऐसे में विकेट लेने की अपनी क्षमता के कारण बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। भारत अभी तक टूर्नामेंट में तीन तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह तथा दो स्पिनरों रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के साथ मैदान में उतरा है।

फ्लेमिंग ने कहा, 'अगर विकेटों से टर्न मिलता है जैसा कि टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ उम्मीद की जा रही है, तो फिर कुलदीप इसमें विकेट लेने की अतिरिक्त क्षमता जोड़ सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'उनके पास अभी दोनों तरह के संयोजन आजमाने का मौका है जो कि अच्छा है लेकिन खेल में आप लकीर का फकीर बनकर नहीं रह सकते जिससे कि आप परिस्थितियों का फायदा उठाने से चूक जाओ।'

भारत को सुपर 8 में अपना पहला मैच गुरुवार को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है। भारत अभी तक बाएं हाथ के दो स्पिनर के साथ उतरा है। इनमें अक्षर को सफलता मिली लेकिन जडेजा तीन मैच में केवल तीन ओवर ही कर पाए। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लंबे समय से कोच रहे फ्लेमिंग को एक ही विधा के दो खिलाड़ियों को टीम में रखने में कोई आपत्ति नहीं है।

उन्होंने कहा, 'मिशेल सेंटनर और जडेजा चेन्नई के लिए इसी तरह की भूमिका निभाते हैं और कुछ अवसरों पर हमारे लिए एक ही तरह के गेंदबाजों से आठ ओवर करवाना मुश्किल काम हो जाता है। वे एक ही तरह के कौशल वाले गेंदबाज हैं लेकिन उनमें भिन्नता भी है और अगर परिस्थितियों अनुकूल हों तो दोनों खतरनाक साबित हो सकते हैं।' फ्लेमिंग ने कहा, 'इसलिए भारत उनके ऑलराउंड कौशल और गेंदबाजी कौशल के कारण उन्हें मौका दे रहा है। जडेजा परिस्थितियां अनुकूल होने पर बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं जैसा कि हम वर्षों से देख रहे हैं। जहां तक अक्षर का सवाल है तो वह न्यूयॉर्क जैसी कुछ अलग तरह की परिस्थितियों में आक्रमण को मजबूत बनाते हैं।'

'19 जून विश्व सिकल सेल दिवस' आदिवासी इलाकों में शादी करते समय सिकल सेल टेस्ट कराना चाहिए: डॉ. केएन भट्ट, मेडिसिन प्रमुख, सूरत सिविल

सूरत। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2008 में 'विश्व सिकल सेल दिवस' मनाने को मंजूरी दी। आम लोगों में इसके प्रति जागरुकता फैलाने के लिए पहली बार यह दिन 19 जून 2009 को मनाया गया था।

सिकल सेल एक वंशानुगत रक्त विकार है। सिकल सेल दोष जन्म के समय मौजूद होता है। सिकल सेल दो प्रकार के होते हैं. (1) सिकल सेल लक्षण (50 प्रतिशत)=वाहक, (2) सिकल सेल रोग (100 प्रतिशत)=रोग सिकल सेल दोष गुणसूत्रों में एक आनुवंशिक दोष है, और यह गर्भधारण के समय पहले से ही निर्धारित होता है। जिसमें कोई भी बढ़ोतरी या कमी संभव नहीं है. छह कोशिका दोषों को दूर किया जा सकता है। वर्तमान में जीन थेरेपी (स्टेम सेल ट्रांसप्लांट) का प्रयोग किया जा रहा है।

सिकल सेल लक्षण (50%) वाहक हैं। यह 50त्न दोष आमतौर पर उन लोगों के लिए कोई समस्या नहीं है जिन्हें विवाह संबंधी मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। यदि सिकल सेल विशेषता (50%) वाला कोई व्यक्ति सिकल सेल विशेषता (50%) वाले किसी अन्य व्यक्ति से शादी करता है, तो सिकल सेल रोग (100%) दोष बच्चे या सिकल सेल रोग (100%) वाले बच्चे में चला जाता है। त्न का जन्म नहीं होता है। कोशिका लक्षण का निदान आवश्यक है। सिकल सेल रोग (100%) से पीड़ित व्यक्ति को बार-बार जोड़ों या शरीर में दर्द, शरीर का पीला पड़ना, पीलिया, बार-बार बुखार

आना, अचानक गंभीर स्थिति या मृत्यु हो जाती है।

मांगरोल, बारडोली, महुवा, मांडवी, उमरपाड़ा, चोर्यासी, पलसाना, कामरेज और ऑलपाड तालुका में 97.21 प्रतिशत सिकल सेल स्क्रीनिंग

सूरत जिला पंचायत के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के मांगरोल, बारडोली, महुवा, मांडवी, उमरपाड़ा, चौर्यासी, पलसाना, कामरेज और अल्लपाड तालुका में मई-2024 तक 1567860 लोगों यानी 97.21 प्रतिशत की सिकल सेल स्क्रीनिंग की गई। जिसमें 29027 सिकल सेल लक्षण एवं 3365 सिकल सेल रोग के मरीज पाये गये। जिसमें मांडवी तालुक में सबसे ज्यादा सिकल सेल रोग के मरीज 1088, उमरपाड़ा में 605, महुवा में 543, मांगरोल में 431 और बारडोली में 339 हैं.

सिकल सेल व्यापार और सिकल सेल रोग वाले जोड़ों को शादी न करने से रोका जा सकता है: डॉ.के.एन.भट्ट

न्यू सिविल अस्पताल के मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. के.एन.भट्ट का कहना है कि सिकल सेल एक वंशानुगत बीमारी है जो खासकर आदिवासी इलाकों में आम है। चौधरी, वसावा, गमीत और अन्य जातियाँ दक्षिण गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में पाई जाती हैं। उदाहरण के लिए, सिकल सेल दाहोद, गोधरा जैसे आदिवासी इलाकों, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सीमा से लगे गांवों में पाया जाता है। आदिवासी इलाकों में शादी करते समय सिकल सेल टेस्ट कराना चाहिए. सिकल सेल व्यापार और सिकल सेल रोग वाले जोड़ों से शादी न करके सिकल सेल को रोका जा सकता है। यदि सिकल सेल हो गया है, तो इसका शीघ्र निदान किया जाना चाहिए। यदि समय पर दवाओं का उपयोग किया जाए तो सिकल सेल संकट से बचा जा सकता है। पहले से दवा और उचित इलाज कराने से इस बीमारी पर काबू पाया जा सकता है। सूरत सिविल अस्पताल में प्रतिदिन एक से दो गंभीर सिकल सेल मरीज सूरत सिविल अस्पताल में इलाज के लिए आते हैं।

सूरत नवी सिविल में हर साल 300 से 400 सिकल सेल रोगियों का इलाज किया जाता है। जिसमें राष्ट्रीय सिकल सेल रोग कार्यक्रम के तहत मरीजों को एमआरआई, सीटी स्कैन, प्लाज्मा ट्रांसफ्यूजन जैसी सुविधाएं मुफ्त प्रदान की जाती हैं।

गौरतलब है कि सिकल सेल रोग एक आनुवांशिक बीमारी है जो आदिवासी लोगों में प्रचलित है। जिसमें मरीज का जीवन सामान्य व्यक्ति से भी ज्यादा कठिन होता है। इस बीमारी की गंभीरता को देखते हुए मरीजों की परेशानी को कम करने और अगली पीढ़ी में सिकल सेल रोग को फैलने से रोकने के लिए प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से देश के 17 राज्यों में 2023 में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन-2047 शुरू किया गया।

धी रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल ने वेट केटेगरी एवं 500 मी. क्वाड कैटेगरी 2024 में उपलब्धि की दिशा में अविश्वसनीय स्थान प्राप्त किया

सूरत। शहर के रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल ने जहांगीराबाद वेट केटेगरी एवं 500 मी. क्वाड कैटेगरी 2024 में उपलब्धि की दिशा में अविश्वसनीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। जिसमें जश परमार और जनित जोशी ने अपनी कड़ी मेहनत से अपेक्षित परिणाम हासिल किया और जीत हासिल की।

जिसमें जश परमार ने लड़कों के अंडर-10, 36 किग्रा वर्ग में हिमाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय कूडो प्रतियोगिता जीती। भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम कई प्रतिस्पर्धियों के बीच सूर्य की भांति चमका है। इसके अलावा खेल महाकुंभ में जनीत जोशी, राज्य स्तरीय बालक अंडर-14, क्वाड वर्ग 500 मी. प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल कर स्कूल की सफलता की कड़ी में एक और मोती जुड़ गया है।

इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष श्री रामजीभाई मांगूकिया, उपाध्यक्ष जिग्नेशभाई मांगूकिया, प्रबंध निदेशक किशनभाई मांगूकिया, परिसर निदेशक आशीष वाघानी और

हायर इंडिया ने फीनिक्स के साथ अपनी डायरेक्ट कूल रेंज का किया विस्तार, रेफ्रीजरेटर की आधुनिक डिज़ाइन से युक्त प्रीमियम ग्लास डोर सीरीज़

भारत।

लगातार 15 सालों से नंबर 1 ग्लोबल मेजर अप्लायंसेज़ ब्राण्ड हायर अप्लायंसेज़ इंडिया अपनी डायरेक्ट कूल रेंज में इनोवेशन की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए लेकर आए हैं प्रीमियम ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर्स की सीरीज़ फीनिक्स। यह डायरेक्ट कूल ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर की सबसे व्यापक रेंज लाने वाला उद्योग जगत का एकमात्र ब्राण्ड है, नई सीरीज़ स्लीक एवं प्रीमियम ग्लास डिज़ाइन के साथ किसी भी किचन के लुक को आकर्षक बना देगी। नए रेफ्रीजरेटर 185 लीटर और 190 लीटर में आते हैं और सभी रीटेल चैनलों पर उपलब्ध होंगे।

नए लॉन्च किए गए रेफ्रीजरेटर स्टाइल और फंक्शनेलिटी का बेहतरीन संयोजन हैं, जो आधुनिक भारतीय घरों की ज़रूरतों पर खरे उतरेंगे। फीनिक्स रेफ्रीजरेटर आसान स्टोरेज के लिए बेस ड्रॉअर, प्रभावी कूलिंग के लिए डायमण्ड ऐज फ्रीज़िंग टेक्नोलॉजी (डीईएफटी) के साथ आते हैं। साथ ही अपने स्टेबिलाइज़र-फ्री संचालन के साथ, यहां तक कि वोल्टेज में उतार-चढ़ाव होने पर भी, बिना रूकावट के बेहतरीन परफोर्मेन्स देते हैं।

इस लॉन्च पर बात करते हुए श्री एनएस सतीश, प्रेज़ीडेन्ट, हायर अप्लायन्सेज़ इंडिया ने कहा, "पिछले सालों के दौरान हमने खासतौर पर अपनी डायरेक्ट कूल सिंगल डोर पेशकश में रेफ्रीजरेटर्स की व्यापक रेंज लेकर आए हैं, इनके माध्यम से हम उन उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करना चाहते हैं जो अपने घर के लिए प्रीमियम, वाइब्रेन्ट और आकर्षक डिज़ाइन वाले अप्लायन्सेज़ की उम्मीद रखते हैं। हायर इंडिया में हम उपभोक्ता उन्मुख इनोवेशन्स तथा 'मोर क्रिएशन, मोर पॉसिबिलिटीज़' के दृष्टिकोण के साथ ऐसे प्रोडक्ट्स लेकर आते हैं जो उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरे उतरें। नई फीनिक्स सीरीज़ का लॉन्च हमारी इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें हम आधुनिक भारतीय परिवारों की बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए स्टाइल और फंक्शनेलिटी का सयांजन लेकर आए हैं। हमें विश्वास है कि रेफ्रीजरेटर की नई सीरीज़ अपने आधुनिक फीचर्स और शानदार परफोर्मेन्स के साथ होम अप्लायन्स उद्योग में नए बेंचमार्क स्थापित करेगी।"

नई रेंज स्लीक प्रीमियम ग्लास डिज़ाइन के साथ आधुनिक भारतीय किचन की खूबसूरती में चार-चांद लगा देगी। इस रेंज के पीछे की तरफ स्टील कवर है जो भीतरी पार्ट्स को सुरक्षित रखता है।

रेफ्रीजरेटर की सभी शेल्फ टफन्ड ग्लास के साथ टिकाउ होने का वादा करती हैं, ये इतनी मजबूत हैं कि भारतीय घरों में इस्तेमाल होने वाले भारी कढ़ाईयां और बर्तन भी इन पर आराम से रखे जा सकते हैं। इस तरह उपभोक्ता मन की शांति के साथ अपने भोजन को व्यवस्थित तरीके से रेफ्रीजरेटर में स्टोर कर सकते हैं।

डिंडीगुल फार्म प्रोडक्ट्स लिमिटेड का आईपीओ 20 जून 2024 को खुलेगा

डिंडीगुल फार्म प्रोडक्ट लिमिटेड का आईपीओ 20 जून को खुलेगा और 24 जून को बंद होगा। कंपनी 64,50,000 इक्विटी शेयर जारी करेगी, जिसका प्राइस बैंड 10 रुपये अंकित मूल्य पर 51-54 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। डिंडीगुल फार्म प्रोडक्ट लिमिटेड मुख्य रूप से दूध प्रोटीन सांद्रण, स्किम्ड मिल्क पाउडर, डेयरी व्हाइटनर, मट्ठा प्रोटीन सांद्रण, दूध मट्ठा पाउडर, कैसिइन, अनब्रांडेड क्रीम, मक्खन और शिशु दूध फार्मूला के लिए वसा युक्त पाउडर सहित डेयरी सामग्री बनाने के लिए संपूर्ण दूध और स्किम्ड दूध का निर्माण करती है। इस प्रक्रिया में सक्रिय है. कंपनी की प्रसंस्करण सुविधा डिंडीगुल, तमिलनाडु और भारत में स्थित है और 15 एकड़ में फैली हुई है।

डिंडीगुल फार्म प्रोडक्ट लिमिटेड आईपीओ विवरण:

कुल इक्विटी शेयर- 64,50,000, मूल्य बैंड - 51-54 रुपये, इश्यू का प्रकार- ताज़ा, अंकित मूल्य- 10 रु, लॉट साइज़- 2000, मार्केट मेकर कोटा- 3,26,000 इक्विटी शेयर, खुदरा कोटा- 21,44,000 इक्विटी शेयर, एचएनआई कोटा- 9,20,000 इक्विटी शेयर, नेट क्यूआईबी कोटा- 12,26,000 इक्विटी शेयर, आईपीओ का आकार (करोड़ रुपये में) - 34.83 (ऊपरी कीमत पर), कंपनी निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए इश्यू से शुद्ध आय आवंटित करने की योजना बना रही हैवित्तपोषित पूंजीगत व्यय, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए

कंपनी के बारे में- कंपनी मुख्य रूप से डेयरी सामग्री के प्रसंस्करण में लगी हुई है। संपूर्ण दूध से स्किम्ड दूध के प्रसंस्करण के अलावा, एक विविध उत्पाद टोकरी भी है। कंपनी 50,000 लीटर दूध सीधे किसानों से और लगभग 30,000-1,00,000 लीटर दूध खुले बाजार या तीसरे पक्ष के आपूर्तिकर्ताओं से खरीदती है। कंपनी ने 150 से अधिक ग्रामीण संग्रह केंद्रों का एक नेटवर्क बनाया है, जिसकी 4000 से अधिक किसानों और 50 से अधिक डेयरी फार्मों तक सीधी पहुंच है। कंपनी के उत्पादों का विपणन इनुट्रिका ब्रांड के तहत किया जाता है। वित्त वर्ष 2022-23 में, कंपनी ने भारत के 15 राज्यों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 3 देशों में उत्पाद बेचे हैं और इसका लक्ष्य अधिक आसियान और यूरोपीय देशों में प्रवेश करके अपने अंतरराष्ट्रीय परिचालन का विस्तार करना है।

मोटोरोला ने लॉन्च किया edge50 ultra

मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनी, मोटोरोला ने आज अपनी edge फ्रेंचाइजी में सबसे एडवांस्ड स्मार्टफोन, motorola edge 50 Ultra को लॉन्च किया। edge 50 सीरीज़ में शामिल किए गए सबसे नए स्मार्टफोन के रूप में, motorola edge 50 Ultra इंटेलिजेंस और आर्ट के मामले में सबसे आगे है, और इसी वजह से यह सही मायने में अपने सेगमेंट का सबसे अनोखा स्मार्टफोन है। इंटेलिजेंस का सहज तरीके से उपयोग करने वाले इस फ्लैगशिप स्मार्टफोन में moto ai फीचर मौजूद है, जिसमें AI जनरेटिव थीमिंग के साथ स्टाइल सिंक, इमेज जेनरेशन को प्रेरित करने के लिए टेक्स्ट के साथ मैजिक कैनवास और इसी तरह के कई अत्याधुनिक इनोवेशन जैसे कई शानदार फ़ंक्शन शामिल हैं। इसके अलावा, इस स्मार्टफोन को Motorola के अब तक के सबसे प्रभावशाली कैमरा सिस्टम के साथ पेश किया गया है, जिसमें AI संचालित Pantone™ वैलिडेटेड कैमरा मौजूद है।

लॉन्च के मौके पर, मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री टी.एम. नरसिम्हन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, "मोटोरोला में हम हर नए रिलीज़ के साथ अव्वल दर्जे की पेशकश को लोगों तक पहुँचाने के इरादे पर अटल हैं। motorola edge 50 ltra इस बात को दर्शाता है कि हमने AI पर आधारित स्मार्टफोन टेक्नोलॉजी में एक लंबी छलांग लगाई है, जो अब तक का हमारा सबसे एडवांस्ड डिवाइस है। यह फोन हार्डवेयर से आगे बढ़कर सही मायने में उपयोगी इनोवेशन के लिए हमारे संकल्प को दर्शाता है।ढ्ढ की बेमिसाल क्षमता, बिल्कुल अनोखा एवं असली लकड़ी से प्रेरित डिज़ाइन, आपस में कनेक्टेड इकोसिस्टम के अनुभवों और इसी तरह के ढेर सारे फीचर्स वाला यह डिवाइस भारतीय यूजर्स के लिए सच्चे फ्लैगशिप अनुभव के मायने को बड़ी आसानी से बदल देता है।

moto ai की खूबियों वाला motorola edge 50 Ultra में AI मैजिक कैनवस फीचर मौजूद है जो ग्राहकों की खुशी में चार चाँद लगा देता है। यह फीचर यूजर्स को टेक्स्ट इनपुट के ज़रिये इमेज जनरेट करने की सुविधा देता है, और इस तरह यूजर्स अपनी कल्पना को साकार कर सकते हैं। इस तरह यह आपके काम, व्हाट्सएप शेयर, मीम्स, कंटेंट क्रिएशन और इसी तरह की ढेर सारी चीजों के लिए कोई भी आर्ट क्रिएट करना बिल्कुल आसान बना देता है। बेहद शानदार GenAI फीचर्स के अलावा, इसके कैमरा सिस्टम में भी moto AI को अच्छी तरह से शामिल किया गया है। motorola edge 50 Ultra का प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम भी moto AI द्वारा संचालित है, जो सबसे अत्याधुनिक कैमरा टेक्नोलॉजी के साथ बड़ी आसानी से बेमिसाल तस्वीरें एवं वीडियो कैप्चर करता है, और इसी वजह से यह ब्रांड का अब तक का सबसे असरदार कैमरा सिस्टम बन गया है।

आईटीसी विवेल ने सॉफ्ट फ्रेश स्किन के लिए "लाईम+ एलोवेरा सोप" लॉन्च किया

आईटीसी विवेल अपने सोप पोर्टफोलियो में "लाईम + एलोवेरा" वैरिएंट लॉन्च कर रहा है। 10 रु. और फुल वैल्यू सेगमेंट में पेश किया गया यह नया साबुन ताजगीभरा अनुभव प्रदान करेगा।

विवेल के "लाईम + एलोवेरा" सोप वैरिएंट में प्राकृतिक तत्वों का ताजगीभरा मिश्रण है, जिसके उपयोग के बाद आपकी स्किन पुनर्जीवित और तरोताजा महसूस करेगी।

मुख्य गुण:

150 ग्राम पैक एक ग्रेड 1 साबुन है, जिसमें 97 प्रतिशत प्राकृतिक तत्व हैं।

रिसाईकलेबल पैकेजिंग।

सॉफ्ट फ्रेश स्किन

100 प्रतिशत वनस्पति तेलों से बना।

10 रुपये का पैक असम, उत्तर-पूर्व और पश्चिम बंगाल में मिलेगा, जबकि 150 ग्राम के तीन साबुन के साथ 450 ग्राम का फुल वैल्यू पैक रिटेल स्टोर्स, मुख्यत: डीमार्ट में उपलब्ध होगा।

विंक स्टूडियो के कलाकारों के गानों ने विंक म्यूज़िक पर 1.7+ बिलियन स्ट्रीम को किया पार

गुरुग्राम । डाउनलोड और दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के मामले में भारत के नंबर वन म्यूज़िक स्ट्रीमिंग ऐप, विंक म्यूज़िक- नवोदित संगीत कलाकारों के लिए अपने गानों को देश भर के दर्शकों तक पहुँचाने के लिए लॉन्च पैड, ने विंक स्टूडियो के स्वतंत्र कलाकारों के गानों के लिए 1.7+ बिलियन स्ट्रीम की एक प्रभावशाली इंडस्ट्री-अग्रणी उपलब्धि हासिल की है। इन गानों ने, उल्लेखनीय रूप से, विंक स्टूडियो के लॉन्च के दो साल के भीतर इस मील के पत्थर को पार कर लिया है, जो संगीत को बढ़ावा देने और प्रतिभाशाली और उभरते कलाकारों का समर्थन करने के लिए विंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

भारती एयरटेल के मुख्य विपणन अधिकारी, अमित त्रिपाठी ने कहा, "हमने उभरते कलाकारों के पास अपने संगीत से कमाई करने के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म देने के लिए विंक स्टूडियो को लॉन्च किया साथ ही हमने अपने ग्राहकों को चुनने के लिए एक विशाल संगीत लाइब्रेरी उपलब्ध कराई। इन गानों के लिए 1.7 मिलियन स्ट्रीम यह दिखाता हैं कि हमारे ग्राहक इस संगीत का कितना आनंद ले रहे हैं जबकि हम इससे कलाकार की मदद कर पा रहे हैं। दो साल से भी कम समय में, विंक स्टूडियो इतना लोकप्रिय हो गया है कि हम देश भर से कलाकारों को साइन कर रहे हैं, जबकि हम विंक पर भाषा विविधता को भी बढ़ावा देते हैं। हम विविधता लाने और अधिक कलाकारों को संगीत में सफल कैरियर बनाने में सक्षम बनाने का वादा करते हैं।"

देश में संगीत प्रतिभाओं को पहचानने और कलाकारों को संगीत उद्योग में स्थायी करियर बनाने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से विंक स्टूडियो की शुरुआत की गई थी। अपनी तरह के पहले कलाकार विकास मंच - विंक स्टूडियो - ने व्यक्तिगत सलाह, व्यापक वितरण और मुद्रीकरण के अवसरों के माध्यम से भारत में कलाकारों को आगे बढ़ाने में क्रांति ला दी है। विंक स्टूडियो, कलाकारों को अन्य संगीत लेबलों के साथ जुड़ने, वेब सीरीज़ के बैकग्राउंड स्कोर, ओटीटी, लाइव इवेंट और इस तरह के अन्य अवसरों सहित कई अवसर प्रदान करता है।

विंक म्यूज़िक इन कलाकारों के गानों के साथ विशेष प्लेलिस्ट तैयार करता है ताकि इसकी खोज और परिणामस्वरूप स्ट्रीम को बढ़ावा मिले। विंक की विशाल ग्राहक संख्या कलाकारों को अपनी पहुँच बढ़ाने और अपने गानों से आसानी से मुद्रीकरण करने में मदद करता है ताकि वे सफल कैरियर बना सकें। इससे देश भर के स्वतंत्र कलाकारों की संख्या में वृद्धि हुई है जो प्लेटफ़ॉर्म से जुड़ रहे हैं और अपने संगीत के लिए बड़ी संख्या में दर्शक पा रहे हैं। आज तक, प्लेटफ़ॉर्म ने 2000 से अधिक कलाकारों को रचनात्मक आउटलेट के साथ मदद की है और उनके लिए मुद्रीकरण और मंच तलाश जैसे मुद्दों को हल किया है।

उभरते कलाकारों के साथ-साथ निखिता गांधी, विशाल ददलानी, राहत फतेह अली खान जैसे स्थापित कलाकारों ने भी अपना संगीत रिलीज़ करने के लिए विंक स्टूडियो के साथ जुड़े हैं । इस प्लेटफ़ॉर्म ने प्रतीक गांधी, राज बर्मन, हर्ष प्रवीण और रीना गिल्बर्ट जैसे कलाकारों के कैरियर को सक्षम बनाया है, जिससे वे विंक स्टूडियो के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले कलाकार बन गए हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)